RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7
काम मिलना मुश्किल है ....

वर्ष : 26 अंक : 338 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

संभल हिंसा: निचली अदालत कोई एक्शन न लें: सुप्रीम कोर्ट

चंदौसी कोर्ट में पेश नहीं हुई सर्वे रिपोर्ट, 8 जनवरी को सुनवाई

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद विवाद को लेकर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि वह इस याचिको लंबित रखते हैं और जिला अदालत को निर्देश देते हैं कि वह 8 जनवरी तक कोईआदेश पारित न करें। सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट चाहता है कि संभल में शांति हो तथा मस्जिद कमेटी को कानूनी विकल्पों का मौक मिले। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को लंबित रखते हुए 6 जनवरी के बाद इस पर सुनवाई के लिए कहा है।

वहीं आज संभल जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट को जिला अदालत में पेश नहीं किया गया। आज जुमे की नमाज भी है। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन मुस्तैद है। डीआईजी जी मुनिराज ने बताया कि संभल में तीन स्तरीय सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। यूपी पुलिस के साथ पीएसी, आरआरएफ, आरएएफ के जवान तैनात हैं। संभल जिला मुख्यालय को सेक्टर वाइज बांटकर सुरक्षा स्थिति की निगरानी की जा रही है।

छतों पर निगरानी के लिए ड्रोन तैनात किए गए हैं। डीआईजी ने बताया कि सिर्फ जामा मस्जिद के आसपास रहने वालों जुमे की नमाज अदा करने की अनुमति होगी। मस्जिद समिति से स्थानीय लोगों की पहचान करने के लिए वॉलंटियर्स की तैनाती करने को कहा गया है।

संभल में शांति : एसपी कृष्ण कुमार

संभल के एसपी कृष्ण कुमार ने बताया कि स्थिति शांतिपूर्ण है। पीएससी, आरएएफ, आरआरएफ समेत 16 कंपनियां तैनात हैं, सभी समन्वय कर रहे हैं। जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से होगी। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी (लखनऊ से) स्थिति पर नजर रख रहे हैं. बता दें कि संभल मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करके निचली अदालत के उस आदेश पर रोक लगाने की मांग की है, जिसमें सर्वे की अनुमति दी गई थी।

जिला कोर्ट को 'सुप्रीम' निर्देश

संभल हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश देते हुए निचली अदालत से संभल जामा मस्जिद मामले पर सुनवाई न करने को कहा है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन को कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की भी हिदायत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा है और कहा कि अब हाईकोर्ट के निर्देश पर ही कोई कार्रवाई हो सकेगी।

दरअसल मस्जिद समिति ने सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर कर मस्जिद का सर्वे कराने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि वह उच्च न्यायालय क्यों नहीं गए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कुछ अहम निर्देश दिए, जिनके मुताबिक निचली अदालत को इस मामले पर सुनवाई करने से रोक दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत के फैसले से उन्हें कुछ आपत्तियां हैं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय द्वारा किए जाने का निर्देश दिया है।

संभल की शाही जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट शुक्रवार को चंदौसी कोर्ट में पेश नहीं की जा सकी। अब मामले की अगली सुनवाई आठ जनवरी को होगी। बताया जा रहा है कि हिंसा की वजह से अभी तक रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकी है। एडवोकेट कमिश्नर रमेश राघव न रिपोर्ट पेश करने के लिए 10 दिन का समय मांगा है। वहीं मुस्लिम पक्ष ने जिला अदालत से इस संबंध में दस्तावेज मांगे हैं।

शाही जामा मस्जिद समिति के वकील शकील अहमद वसीम ने कहा कि मस्जिद की ओर से अदालत में दस्तावेजों की प्रतियां मांगी गई थीं, जो अब अदालत के आदेश के बाद प्राप्त होंगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब मस्जिद का कोई अन्य सर्वे नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 8 जनवरी को तय की है। इस दौरान सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत करने और दोनों पक्षों के तर्कों को सुना जाएगा।

बता दें, संभल की जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर का दावा पेश करने के बाद मस्जिद में कराए जा रहे दूसरे चरण के सर्वे के दौरान भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत और कई पुलिस व प्रशासन के लोगों के घायल होने पर हालत बिड़ गए थे। स्थिति बेहद तनाव पूण हो गई थी।

संभल में शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने का दावा करने के मामले में सिविल जज सीनियर डिविजन संभल स्थित चंदौसी की कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने सुनवाई के लिए अगली तारीख तय कर दी है। मौके पर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। न्यायालय की ओर आने वाले सभी रास्तों को बैरीकेडिंग कर सील कर दिया गया है।

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा के ठिकानों पर छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोर्नोग्राफी नेटवर्क मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा और अन्य के आवासों और दफ्तरों पर छापेमारी की है। ईडी द्वारा केस दर्ज किए जाने के बाद अब आवासीय परिसरों और दफ्तरों की तलाशी ली जा रही है। छापेमारी मुंबई के अलावा उत्तर प्रदेश के कुशीनगर, कानपुर और गोरखपुर में भी चल रही है। ईडी को 1.3 करोड़ की नगदी व आपत्तिजनक साक्ष्य मिले हैं।

कुंद्रा को जून 2021 में कथित तौर पर 'अश्लील' फिल्में बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मुंबई पुलिस के अधिकारियों का दावा था कि कुंद्रा इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

होशियारपुर में गरजा 'बाबा का बुलडोजर'

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में एक बार फिर 'बाबा के बुलडोजर' ने अवैध रूप से किए गए निर्माण को ध्वस्त कर दिया है। नोएडा प्राधिकरण ने आज होशियापुर गांव के पास अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया। इस दौरान अवैध रूप से बनी चारदिवारी तथा अन्य निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि गांव होशियारपुर की माता कॉलोनी में गली नंबर 16 पर खसरा नंबर-420 पर अवैध निर्माण किया गया था। आज भारी पुलिस बल के साथ प्राधिकरण के कर्मचारी कार्रवाई करने पहुंचे। यहां बुलडोजर ने अवैध रूप से बनाई गई चारदीवादी तथा गेट को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान लोगों ने इस कार्रवाई का हल्का विरोध भी किया लेकिन पुलिस बल के कारण उनकी एक न चली। (शेष पृष्ठ-3 पर)

डीएम का एक्शन: इंडस्ट्रीज व संस्थानों की फायर एनओसी की फिर होगी जांच

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में तीन मजदूरों की जलने से मौत के मामले में गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने एडीएम फाइनेंस के नेतृत्व में टीम गठित की है। टीम बिना एनओसी के चल रहे संस्थान और इंडस्ट्रीज के खिलाफ कडी कार्रवाई करेगी।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा के थाना बीटा 2 इलाके में स्थित स्वर्ण नगरी में बंद पड़ी कंपनी के गोदाम में बीते 26 नवंबर को गैस लीक करने से आग लग गई थी, आग की चपेट में आने से वहां सोफा बना रहे तीन मजदूरों की जलने से मौत हो गई। कोतवाली बीटा-2 पुलिस ने फैक्टरी मालिक तकी हसन को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उसे फौरन जमानत मिल गई। अब इस मामले में मामले में डीएम मनीष वर्मा ने संज्ञान लिया है और एडीएम फाइनेंस के नेतृत्व में टीम गठित की गई है. जो पूरे प्रकरण की जांच करके रिपोर्ट देगी।

डीएम मनीष वर्मा ने बताया कि इसी के साथ ही जितने भी यहाँ पर संस्थान या इंडस्ट्रीज चल रही हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेक्टर-56 पहुंची 'नोएडा आप के द्वार' टीम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा आपके द्वार के तहत नोएडा प्राधिकरण की टीम सेक्टर-56 पहुंची तथा समस्याओं को सुना। अधिकारियों ने सेक्टर-56 में जाकर लोगों की समस्याएं सुनीं तथा उनका निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

इस मौके पर सेक्टरवासियों ने कुल 16 प्रमुख समस्याएं रखीं। जिसमें उद्यान विभाग की 5, सिविल की 4, विद्युत यांत्रिकी की 3, जल व सीवर की 3, जनस्वास्थ्य की 1 तथा नियोजन विभाग से संबंधित 1 समस्याएं थी।

बैठक के दौरान वरिष्ठ महाप्रबंधक वर्क सर्किल-1 डोरीलाल वर्मा, जनस्वास्थ्य विभाग खंड-1 के वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल के अलावा विद्युत यांत्रिकी उद्यान जल एवं सीवर विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। इसके अलावा सेक्टर-56 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष व महासचिव एवं अन्य पदाधिकारी तथा सेक्टरवासी मौजूद थे।

ग्रेटर नोएडा की व्हाइट आर्चिड सोसायटी की AOA की मान्यता निरस्त

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित गौर सिटी-2 में व्हाइट आर्चिड एपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) को डिप्टी रजिस्ट्रार (फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स गाजियाबाद) ने तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। आरोप है कि उक्त एओए का गठन अवैध रूप से किया गया था। स्वयंभू एओए द्वारा कोई चुनाव नहीं कराए गए। शिकायत व प्रेषित साक्ष्यों के आधार पर (शेष पृष्ठ-3 पर)

ॐ कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
मा कर्मफलहेतुर्भुर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि ॥ ॐ

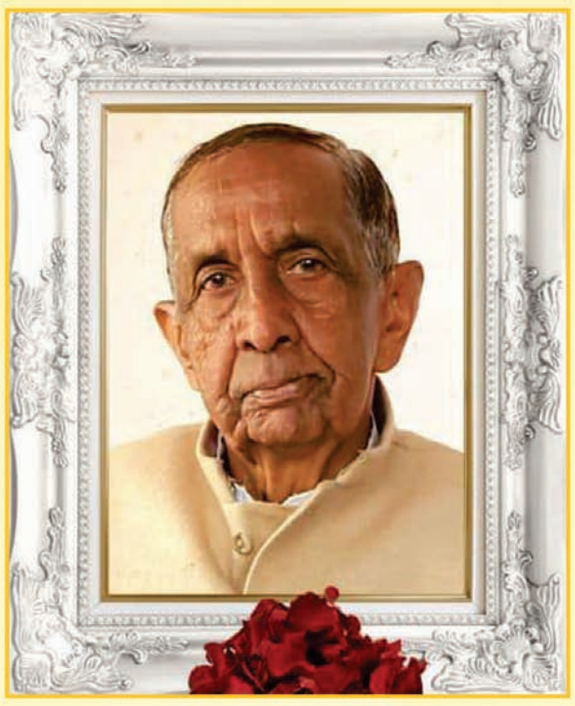

चौधरी बिहारी सिंह "बागी"
एक सच्चे कर्मयोगी एवं किसान नेता
चतुर्थ पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि
जन्म 12/05/1943 – मृत्यु 29/11/2020
एक सच्चे कर्मयोगी जिन्होंने अपने जीवन का हर लम्हा दूसरों की सेवा में समर्पित किया।
जिनका जीवन हजारों लोगो के लिए मिसाल बना।
आज शरीर से ना सही लेकिन लोगो की याद में किस्सों में हमेशा जीवित रहेंगे।
:: निवेदक ::
चौधरी बिहारी सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट
जितेन्द्र सिंह एवं यतेन्द्र कसाना

चौ. बिहारी सिंह बागी की चतुर्थ पुण्यतिथि

रूपवास में हवन तथा नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। किसानों के मसीहा तथा जनता के लिए शासन व प्रशासन से टक्कर लेने वाले कर्मयोगी चौधरी बिहारी सिंह बागी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव रूपवास में उनकी समाधि स्थल पर हवन व पूजन किया गया। इसके बाद चौधरी सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया।

रूपवास में आज सुबह हवन-पूजन के बाद हजारों लोगों ने चौधरी बिहारी सिंह बागी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके सुपुत्र चौ. जीतेन्द्र सिंह तथा यतेन्द्र कसाना के अलावा परिवार व क्षेत्र के हजारों लोग मौजूद थे। इस दौरान एक नेत्र कैंप का भी आयोजन किया गया। जिसमें दो सौ से अधिक लोगों ने नेत्र परीक्षण कराया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

गतिरोध खत्म हो

लोगों को अस्पताल, व्यवस्था को नए नियम और सरकार को औपचारिकताओं को बदलने का समाधान चाहिए, ताकि भोटा के राधास्वामी चैरिटेबल ट्रस्ट पर मंडरा रहा गतिरोध खत्म हो जाए। जमीन पर इरादों की फेहरिस्त ने कभी राधास्वामी सत्संग ब्यास के नाम, हमीरपुर के भोटा में लैंड सीलिंग एक्ट में मिली छूट का मोहल्ला बना दिया, लेकिन कानून की नई जुंबिश ने वर्षों पहले स्थापित चैरिटेबल अस्पताल का अस्तित्व हिला दिया है। दरअसल जमीन के जिस टुकड़े पर अस्पताल चलता है, उसे एक अलग संस्था में निरूपित करके राधा स्वामी सत्संग ब्यास, इस फर्ज की निरंतरता को बरकरार रखना चाहता है, वरना अस्पताल के मुख्य गेट पर चस्पां नोटिस बता रहा है कि जीवनदान न मिला तो दिसंबर की पहली तारीख इसके अस्तित्व की अंतिम सांस लेगी। जाहिर है मसले के केंद्रबिंदु में हिमाचल सरकार के सामने सीमित विकल्प हैं। या तो आंख मूंद कर भारत सरकार द्वारा निर्देशित लैंड सीलिंग एक्ट की भावना में मुख्य ट्रस्ट को अस्पताल की जमीन अन्य संस्था को ट्रांसफर करने से छूट न दे या अपनी इच्छाशक्ति से कानून की परिपाटी को ही बदल दे। सरकार के लिए निर्णायक होने की एक वजह तो यह है कि भोटा अस्पताल को बचाने के लिए जनता सामने आ गई है। रोजाना इसके बचाव के समर्थन में जनता ने ठान लिया है कि वह अपने संघर्ष की दीवार खड़ी करती रहेगी। सरकार के लिए यह तोहफा आसान नहीं। खासकर लैंड सीलिंग एक्ट की धाराओं ने हिमाचल की सामाजिक धरती हिलाई है। कानून की शक्ल में सामाजिक सुरक्षा की पैरवी का ही असर है कि यहां सियासत के बिल्ले अब स्थानीय निकायों तक झगड़ालू हो गए। खेत छोटे, झगड़े बड़े हो गए और अब आवासीय सुविधाओं की खोज, एक टेढ़ा अरमान साबित हो रही है, लेकिन जिस उद्देश्य से लैंड सीलिंग कानून अपनाया गया, उसके नतीजे कुछ और कहते हैं। लैंड सीलिंग एक्ट से खेती के अधिकार कृषि मजदूरी की संपत्ति होनी चाहिए थी, लेकिन अब हिमाचली परिदृश्य में आयातित उत्पाद और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विश्राम दिखाई देता है। यह दीगर है कि लैंड सीलिंग के बाद गैर हिमाचली को भूमि की खरीद पर लगी पाबंदियों ने धारा 118 को सियासी पहलवान बना दिया। हिमाचल की इन्वेस्टमैंट खोज, पर्यटन की मौज और यहां आकर बसने का ओज अब धारा 118 के समानांतर एक साम्राज्य सरीखा है और जिसके तहत बंटती है विशेषाधिकार की पहुंच और प्रभावशाली संपर्क। खैर, जमीनों की तफतीश में कानूनों के ढेरियां भी असफल हैं, क्योंकि इस मर्ज ने दवा के बजाय, बीमारियां ही पैदा की। जिस राज्य में लैंड सीलिंग एक्ट ने बड़े खेतों के स्वामी दरकिनार कर दिए, वहां नए लैंड लॉर्ड चमत्कृत हुए। इन्हें आप भू-माफिया के रूप में देखें या धार्मिक आचरण के जमघट में नए श्रद्धास्थल के रूप में देखें, एक बड़ा हिमाचल इनके कब्जे में है। राधास्वामी आश्रमों की शृंखला में हिमाचल का एक बड़ा रकबा जिस संस्था के नाम है, वह अपने उद्देश्यों की परिपाटी में आखिर इतनी बेरहम कैसे हो सकती है कि एक सामाजिक दायित्व के अधीन चल रहे अस्पताल के अस्तित्व को जमीन का विरोध बना दे। तकनीकी तौर पर कई तरह की छूट वांछित तौर पर अस्पताल प्रबंधन 'महाराज जगत सिंह मेडिकल रिलीफ सोसायटी' को मिल सकती है, बशर्ते जमीन के हस्तांतरण में लैंड सीलिंग एक्ट का रोड़ा हट जाए। सरकार जनता की मांग पर ऐसा कर भी दे, लेकिन क्या इसकी भावना में कानून की शर्तें अपंग नहीं होंगी। अगर लैंड सीलिंग और धारा 118 के कवच हटा दिए जाएं, तो देश के कई मालदार संगठन, किसी न किसी सामाजिक दायित्व के अधीन इससे मिलता-जुलता कार्य कर सकते हैं। कम से कम धार्मिक साधु-संतों की जमात को तो हिमाचल में एक विस्तृत ठिकाना चाहिए। बहरहाल, सरकार जनता की मांग पर अस्पताल को बचाने के लिए लैंड सीलिंग एक्ट के कठिन पेंच खोलने की इच्छुक दिखती है, लेकिन इस आदान-प्रदान की खिड़कियां आने वाले काफिलों के लिए भी ऐसी ही हवाओं का प्रबंध कर देंगी। यानी लैंड सीलिंग एक्ट की प्रासंगिकता से कुछ पहरे हट जाएंगे।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यों कह और सबको सिर नवाकर कामदेव अपने पुष्प के धनुष को हाथ में लेकर (वसन्तादि) सहायकों के साथ चला। चलते समय कामदेव ने हृदय में ऐसा विचार किया कि शिवजी के साथ विरोध करने से मेरा मरण निश्चित है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तब आपन प्रभाउ बिस्तारा। निज बस कीन्ह सकल संसारा॥
कोपेउ जबहिं बारिचरकेतू। छन महुँ मिटे सकल श्रुति सेतू॥
तब उसने अपना प्रभाव फैलाया और समस्त संसार को अपने वश में कर लिया। जिस समय उस मछली के चिह्न की ध्वजा वाले कामदेव ने कोप किया, उस समय क्षणभर में ही वेदों की सारी मर्यादा मिट गई॥
ब्रह्मचर्ज ब्रत संजम नाना। धीरज धरम ग्यान बिग्याना॥
सदाचार जप जोग बिरागा। सभय बिबेक कटकु सबु भागा॥
ब्रह्मचर्य, नियम, नाना प्रकार के संयम, धीरज, धर्म, ज्ञान, विज्ञान, सदाचार, जप, योग, वैराग्य आदि विवेक की सारी सेना डरकर भाग गई॥
छंद- भागेउ बिबेकु सहाय सहित सो सुभट संजुग महि मुरे।
सदग्रंथ पर्बत कंदरन्हि महुँ जाइ तेहि अवसर दुरे॥
होनिहार का करतार को रखवार जग खरभरु परा।
दुइ माथ केहि रतिनाथ जेहि कहुँ कोपि कर धनु सरु धरा॥
विवेक अपने सहायकों सहित भाग गया, उसके योद्धा रणभूमि से पीठ दिखा गए। उस समय वे सब सद्ग्रन्थ रूपी पर्वत की कन्दराओं में जा छिपे (अर्थात ज्ञान, वैराग्य, संयम, नियम, सदाचारादि ग्रंथों में ही लिखे रह गए, उनका आचरण छूट गया)। सारे जगत में खलबली मच गई (और सब कहने लगे) हे विधाता! अब क्या होने वाला है? हमारी रक्षा कौन करेगा? ऐसा दो सिर वाला कौन है, जिसके लिए रति के पति कामदेव ने कोप करके हाथ में धनुष-बाण उठाया है? (क्रमशः..)

आलोचना पर दमनात्मक रवैया लोकतंत्र के लिए खतरा

सत्तारुढ़ राजनीतिक दलों के नेताओं को आलोचना जरा भी बर्दाश्त नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया पर यदि सत्तारुढ़ दलों के नेताओं के खिलाफ कुछ लिखा या बोला जाता है तो उन पर सरकारें दमनात्मक कार्रवाई करने पर उतारू हो जाती हैं। राजनीतिक दल चाहे राष्ट्रीय हो या क्षेत्रीय, किसी को आलोचना बर्दाश्त नहीं है। उनका निशाना विपक्ष और मीडिया रहता है। सत्तारुढ़ दलों को आलोचना तभी तक सुहाती है जब वह विपक्षी दलों की हो। ऐसे में सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए राजनीतिक दलों के नेता सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखते।

एक फिल्म साबरमती रिपोर्ट को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार के मंत्री गदगद नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीबीसी ने जब गोधराकांड के बाद गुजरात में हुए दंगों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई तो न सिर्फ उस प्रतिबंध कर दिया गया, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी पर छापे की कार्रवाई की। विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की गई। विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की केंद्रीय भूमिका वाली यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है। गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर एस6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कारसेवक जिंदा जल गए थे। मरने वालों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल थे। उसके बाद पूरे गुजरात में जो दंगा भड़का, वह आजाद भारत के सबसे भयावह दंगों में से एक था। मोदी उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अब द साबरमती रिपोर्ट के जरिए बड़े पर्दे पर गोधरा कांड का खौफनाक मंजर दिखा है। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों और बीजेपी नेताओं ने द साबरमती रिपोर्ट की प्रशंसा की है। गोधरा में ट्रेन जलाए जाने की भयानक घटना का परिणाम पूरे राज्य में हिंसक दंगों की शक्ल में सामने आया। पूरा गुजरात जल उठा था। केंद्र सरकार ने 2005 में राज्यसभा को बताया था कि दंगों में 254 हिंदुओं और 790 मुसलमानों की जान गई थी। कुल 223 लोग लापता बताए गए थे। हजारों लोग बेघर भी हो गए थे। तत्कालीन मोदी सरकार ने एक जांच आयोग का गठन किया था। उस आयोग में जस्टिस जी टी नानावटी और जस्टिस के जी शाह शामिल थे। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मारे गए 59 लोगों में से अधिकतर कारसेवक थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक अलग जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग ने मार्च 2006 में सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस घटना को एक दुर्घटना बताया। सुप्रीम कोर्ट ने रिपोर्ट को असंवैधानिक और अमान्य करार देते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक विशेष जांच दल का गठन किया।

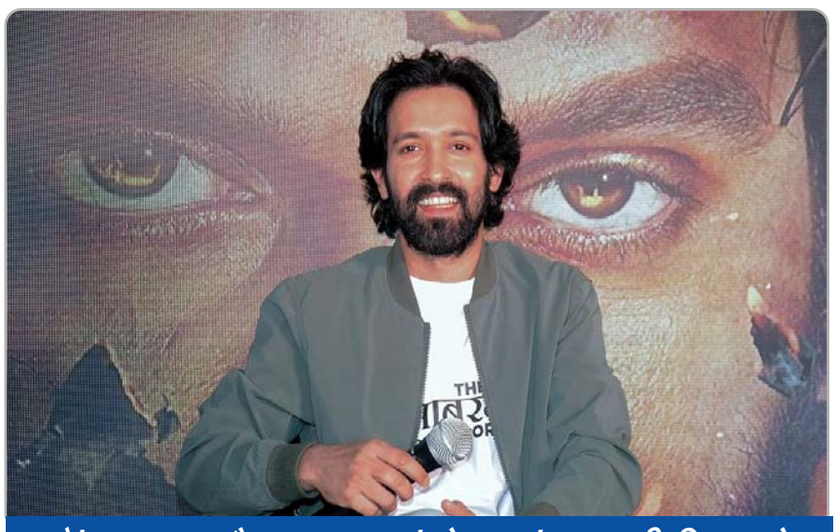

केंद्र सरकार और भाजपा जहां गोधराकांड पर बनी फिल्म को सच सामने लाने वाला बताते हुए तारीफ कर रही हैं, वहीं वर्ष 2023 में गुजरात दंगों पर बीबीसी के बनाए वृत्त चित्र को न सिर्फ प्रतिबंधित कर दिया गया था, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी के परिसरों में छापे की कार्रवाई की थी।

गोधरा कांड और उसके बाद भड़के दंगों ने भारत की राजनीति को हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया। इस मामले में अदालती कार्रवाई जून 2009 से, घटना के आठ साल बाद शुरू हुई। स्पेशल एसआईटी कोर्ट ने 1 मार्च, 2011 को 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मौत की सजा और 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने इस मामले में 63 लोगों को बरी भी किया। एसआईटी कोर्ट ने उन आरोपों से सहमति जताई कि यह अनियोजित भीड़ द्वारा की गई घटना नहीं थी, बल्कि इसमें साजिश शामिल थी। 31 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की आपराधिक साजिश, हत्या और हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। गुजरात सरकार ने बाद में आरोपियों को बरी किए जाने पर सवाल उठाए। जिन्हें दोषी ठहराया गया, उन्होंने भी गुजरात हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने मामले में कुल 31 दोषियों को दोषी ठहराया था और 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। अब मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है। गुजरात सरकार ने 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने के खिलाफ अपील की है, कई दोषियों ने मामले में उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी।

केंद्र सरकार और भाजपा जहां गोधराकांड पर बनी फिल्म को सच सामने लाने वाला बताते हुए तारीफ कर रही हैं, वहीं वर्ष 2023 में गुजरात दंगों पर बीबीसी के बनाए वृत्त चित्र को न सिर्फ प्रतिबंधित कर दिया गया था, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी के परिसरों में छापे की कार्रवाई की थी। बीबीसी डॉक्यूमेंट्री इंडिया द मोदी क्वेश्चन दो भागों वाली एक श्रृंखला थी। यह जनवरी में यूके में प्रसारित हुई थी। इसमें बताया गया कि 2014 में मोदी के निर्वाचित होने के बाद से, उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने हिंदू-केंद्रित नीतियों को अपनाया है, जिन पर दक्षिणपंथी धार्मिक राष्ट्रवादी एजेंडे के तहत भारत के 200 मिलियन मुसलमानों को निशाना बनाने और उनके साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया गया है, जो भारत को इसकी धर्मनिरपेक्ष नींव से दूर ले जा रहा है। मोदी सरकार की ओर से इस मामले में त्वरित और स्पष्ट प्रतिक्रिया आई। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रवक्ता ने कहा कि इस डॉक्यूमेंट्री में पूर्वाग्रह और निष्पक्षता की कमी तथा औपनिवेशिक मानसिकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। बीबीसी पर सरकार विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप लगाया गया। इसके बाद आयकर विभाग के एक दर्जन से ज़्यादा अधिकारियों ने बीबीसी के मुंबई और नई दिल्ली स्थित दफ़्तरों पर छापा मारा। इसे उन्होंने सर्वेक्षण बताया। कर चोरी की जांच के तहत फ़ोन और लैपटॉप जब्त कर लिए गए और दफ़्तरों को सील कर दिया। इससे जाहिर है कि सत्तारुढ़ दलों को नेताओं को सिर्फ मनमाफिक एजेंडे वाले कार्यक्रम ही सुहाते हैं। इसमें कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं हैं। पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जब कभी विपक्षी दलों के खिलाफ हिंसा करवाने के आरोप लगे, तब इसे भाजपा और मीडिया की साजिश करार दिया गया। यही हाल दूसरे राज्यों की क्षेत्रीय दलों की सरकारों का है। विपक्ष दल और मीडिया जब कभी सत्तारुढ़ दलों के खिलाफ कोई खुलासा करते हैं, तब उन्होंने प्रताडऩा का सामना करना पड़ता है। इसका प्रमाण यह है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एक कार्टून बनाने पर कार्टूनिस्ट को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

तमिलनाडु में तत्कालीन मुख्यमंत्री जे जयललिता ने राज्य विधानसभा से 43 विपक्षी सदस्यों को निष्कासित कर दिया और उन्हें कुछ समय के लिए जेल में डाल दिया। जब अंग्रेजी के एक अखबार ने उनके कार्यों की आलोचना करते हुए दो लेख और एक संपादकीय चलाया, तो जयललिता ने जवाब में समाचार पत्र के खिलाफ 17 अलग-अलग आपराधिक मानहानि के मामले दर्ज कराए। इससे जाहिर है कि राजनीतिक दलों के नेताओं के कारनामें उजागर करने पर कानून की चाबुक चलाने में कोई भी पीछे नहीं है। सच्चाई की तलाश में किए गए ऐसे प्रयासों पर नेताओं की टेडी नजर रहती है।

- योगेंद्र योगी

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी।

बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य-जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह-को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बच्चों में कई प्रतिभाएँ अविकसित रह जाती हैं। अगर समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करना है-चाहे वह भविष्य आखिरकार कैसा भी क्यों न हो, तो भविष्य के खतरों की आहट को सुनते हुए जागरूक होना होगा। साफ है, नीति के स्तर पर प्रदूषण एवं बदलते मौसम की मार के लिये काम करना होगा। कम से कम भविष्य या बच्चों के लिये तो ऐसा किया ही जाना चाहिए।

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक आदर्श समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों-नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राशिफल

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष : चतुर्थी — **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन आनंदित रहेगा। प्रेम में लिप्त रहेंगे। संबंधों में लिप्त रहेंगे। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रु स्वयं नतमस्तक होंगे। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर-नीचे रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
नव प्रेम का आगमन होगा। बच्चों की स्थिति में सुधार। प्रेम में बहुत अपनापन। विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
लग्जरीपूर्ण जीवन रहेगा। भूमि, भवन वाहन की खरीदारी संभव है। घर में कुछ उत्सव संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पराक्रम रंग लाएगा। अपनों का साथ होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। मन प्रफुल्लित रहेगा। अच्छे भोजन का रसास्वादन करेंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
समाज में आपका कद बढ़ेगा। समाज में आप सराहे जाएंगे। जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
खर्च की अधिकता रहेगी लेकिन आभूषण, फैशन व जेवर इत्यादि में खर्चे होंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। यात्रा में लाभ होगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति दूर-दूर तक पहुंचेंगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। कार्यों की विघ्न बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार बहुत अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बचकर पार करें। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

यमुना प्राधिकरण पर किसानों ने भरी हुंकार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से महापड़ाव यमुना प्राधिकरण पर पहुंचा। आज हजारों की संख्या में संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में महिला पुरुष किसान दोपहर 1:30 बजे पैदल मार्च करते हुए यमुना प्राधिकरण पर पहुंचे। जुलुस कई किलोमीटर लंबा रहा। उत्साह के साथ जुलूस में शामिल किसानों ने नारे लगाए। 10 परसेंट लेकर रहेंगे, आबादी हमारी आपकी, नए कानून के लाभ लागू करो जैसे नारों से शहर गूंज उठा। संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में आंदोलन आर पार का है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने बयान जारी करते हुए कहा कि सरकार की ओर से अभी तक कोई प्रस्ताव आंदोलन के मुद्दों को लेकर प्राप्त नहीं हुआ है। 1 दिसंबर तक सरकार के पास मौका है कि वह किसानों के उक्त समस्याओं पर किसानों के पक्ष में फैसला ले अन्यथा 2 दिसंबर को किसान बड़ी संख्या में दिल्ली कूच करेंगे। यमुना प्राधिकरण पर यमुना प्राधिकरण के विरुद्ध नारे लगाए डॉ. अरुण वीर को किसानों को गुमराह करने वाले अधिकारी के तौर पर कोसा। किसान अपने हकों के लिए ऐतिहासिक तौर पर बड़ी संख्या में इकट्ठा हैं। पक्का मोर्चा लगाकर किसानों ने दिल्ली कूच का ऐलान किया है। सभी किसान संगठनों ने कसम खाई है कि जब तक किसानों के उक्त मुद्दे हल नहीं होते तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

किसान नेताओं ने जेवर दादरी नोएडा विधायक पर आरोप लगाते हुए कहा कि तीनों विधायक किसानों के प्रति बेरुखी अपनाए हुए हैं उनकी तरफ से जरा भी प्रयास किसानों की समस्याओं को हल करने के संबंध में नहीं किया गया है। तीनों विधायक और सांसद अपने काम धंधे में लगे हुए हैं उन्हें किसानो की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं है। किसान नेताओं ने मंच से चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार गंभीरता से मुद्दे हल करें इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

मुबिन बने ब्लॉक अध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस सेवा दल ने मुबिन सैफी को दादरी ब्लॉक का अध्यक्ष बनाया है। सेवादल में जिलाध्यक्ष वसील अहमद ने उन्हें लेटर व कांग्रेस का पट्टा देते हुए कांग्रेस सेवा दल को मजबूत करने की बात कही। मुबिन सैफी ने भी जिलाध्यक्ष वसील अहमद व प्रदेश अध्यक्ष डा प्रमोद पाण्डेय के साथ कदम से कदम मिला कर काम करने की बात की।

इस मौके पर प्रदेश महासचिव अशोक पंडित सेवा दल कार्यकर्ता इमरान सैफी ओमवीर अम्बावत नरेंद्र मोदी कल्लू खान और भी कांग्रेस सेवा दल के साथी मौजूद रहे।

प्राधिकरण पर जारी है किसानों का धरना

किसानों का अपमान बर्दाश्त नहीं : शेरू प्रधान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का चल रहा धरना अब जन आंदोलन बनने का रूप लेना शुरू कर दिया है।

किसान एकता संघ के प्रदेश महासचिव शेरू प्रधान ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी किसानों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है।

उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी किसानों को गुमराह करने के साथ-साथ उनका अपमान भी करते हैं। यही नहीं यदि कोई भी किसान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से मिलकर अपनी समस्या को बताना चाहे तो अधिकारी किसानों से मिलना भी उचित नहीं समझते। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने रवैयों को बदलना पड़ेगा।

प्रदेश महासचिव शेरू प्रधान ने कहा कि अबकी आर-पार की लड़ाई का ऐलान किसानों ने कर दिया है। उन्होंने कहा कि किसानों का अपमान किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा से कंधे से कंधा मिलाकर किसान एकता संघ पूरी ताकत के साथ खड़ा हुआ है।

अब बनेगा जनांदोलन : खटाना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा किसानों के विभिन्न मांगों को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर शुरू किया गया महा पड़ाव आज भी जारी है।

इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने कहा कि अब आंदोलन जन आंदोलन बनेगा। उन्होंने कहा कि किसान, मजदूर युवा एवं महिला यदि बंटेंगे तो लुटेंगे। उन्होंने कहा कि जुड़ोगे तो जीतोगे पवन खटाना ने कहा कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तानाशाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसानों के साथ प्राधिकरण के अधिकारी सौतेला व्यवहार करने से बाज नहीं आ रहे हैं इसे उन्हें बदलना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन एवं संयुक्त किसान मोर्चा इस आंदोलन को अब जन आंदोलन बनाने में जुट गया है।

कविता

बेमिसाल झूठ

यानी दुनिया में सिर्फ झूठ झूठ झूठ
झूठ के सिवा दुनिया और कुछ नहीं।
और कचहरी
जहां हम कम से कम 8 घंटे तो रोज रहते ही हैं,
सिवाय छुट्टी और बीमारी के दिनों को छोड़कर।
इन 8 घंटों में लगभग सौ 50 बार सत्य पर झूठ को पटखनी लगाते देखता ही हूं। बोलता भी हूं और बोलवाता भी हूं। वह भी ईश्वर की शपथ लेकर यह कहा जाता है कि--
ईश्वर जाने जो भी कहूंगा सच सच कहूंगा।
सच के सिवा और कुछ नहीं कहूंगा।

न्यायालय ऐसी खूबसूरत जगह है जहां भगवान को चकमा देकर उनकी सौगंध खाकर ,
सिर्फ झूठ बोला जाता है सच के नाम पर।
वैसे तो पूरी दुनिया झूठ के नाम पर चल रही है ।
झूठ बोलना बहुत जरूरी है।
न्यायालय वह जगह है,जहां ईश्वर की शपथ लेकर,
झूठ बोला जाता है।

ईश्वर देख कर हैरान होता होगा कि लोग मेरी शपथ लेकर
झूठ बोल रहे हैं और हम उनका कुछ नहीं बिगाड़ पा रहे हैं।
उन्हें मना भी नहीं कर पा रहे हैं कि,
यार तुम झूठ बोलो लेकिन बीच में मुझे मत खड़ा करो।
झूठ के सामने ईश्वर कितना मजबूर है।
मजबूर रहेगा इसलिए झूठ जिंदाबाद जिंदाबाद।

डॉ कृष्णावतार त्रिपाठी 'राही'
ज्ञानपुर भदोही

कान फोड़ू डीजे पर लगे तत्काल प्रतिबंध : प्रधान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिला अध्यक्ष चैनपाल प्रधान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कान फाड़ू डीजे पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

उन्होंने मांग पत्र की एक प्रतिलिपि जिला अधिकारी मनीष कुमार एवं जनपद की पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह को भी भेजा है। चैनपाल प्रधान ने कहा कि इन दिनों शादी विवाह का दौर चल रहा है और इसमें डीजे की आवाज इतनी भयानक होती है कि बुजुर्ग एवं बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा है कि रात 10:00 बजे के बाद भी डीजे वाले अपना तांडव मचाते हैं। मना करने पर लड़ाई झगड़े को भी तैयार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ तत्काल मुकदमा पंजीकृत कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के लिए कान-फाड़ू डीजे खतरनाक है और ऐसे डीजे वालों के खिलाफ शक्ति से करवाई होनी चाहिए।

130 मीटर रोड को चौड़ा करने पर खर्च होंगे 50 करोड़

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट से अगले साल उड़ान शुरू करने की तैयारी है। नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासी एयरपोर्ट तक आसानी से जा सकें, उनको ट्रैफिक जाम न झेलना पड़े, इसकी तैयारी में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण जुट गया है। प्राधिकरण ग्रेटर नोएडा वेस्ट और ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाली 130 मीटर रोड को चौड़ा करा रहा है। प्राधिकरण प्राधिकरण 27 किलोमीटर रोड में से 8 किलोमीटर के चौड़ीकरण का कार्य पहले ही पूरा कर चुका है, अब नौ किलोमीटर रोड और चौड़ा करने जा रहा है। इसके लिए 50 करोड़ रुपये स्वीकृत कर दिए गये हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी कर जनवरी में काम शुरू करने की तैयारी है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट, नोएडा फेस श्री और गाजियाबाद के हजारों लोग रोजाना सफर करते हैं। एयरपोर्ट शुरू होने के बाद ट्रैफिक का दबाव और बढ़ेगा। इससे निपटने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने 130 मीटर रोड को चौड़ा कराने को निर्णय लिया। इस पर काम शुरू हो चुका है। इसे अलग-अलग फेज में बनाया जा रहा है।

पहले फेज का काम पूरा हो चुका है, जिसके अंतर्गत 8 किलोमीटर रोड का चौड़ीकरण पूरा हो गया है। दूसरे फेज का काम जनवरी में शुरू करने की तैयारी है। इस बीच टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। काम शुरू होने से पूरा होने तक 6 माह लगेंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बताया कि इस फेज में 9 किलोमीटर चौड़ीकरण का कार्य होगा। कार्य शुरू होने के बाद छह माह लगेंगे।

पृष्ठ एक के शेष....

डीएम का एक्शन....

उनकी एनओसी को एक बार फिर चेक करा रहे है. अथॉरिटी के लेआउट का मास्टर प्लान है। जो भी नक्शा अप्रूव है उसके हिसाब से इंडस्ट्रीज संचालन किया जा रहा है या नहीं। फायर डिपार्टमेंट की प्रॉपर एनओसी उनके पास है की नहीं है और अगर कहीं पर कोई कमी मिलती है, तो इसमें कड़ी कार्रवाई दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

डीएम मनीष वर्मा का कहना है कि तीन मजदूरों की जलने से मौत के संबंध में फायर डिपार्टमेंट से विस्तृत रिपोर्ट हम मांगा रहे है और एक बार ऑडिट हम लोग हर इस तरह की बिल्डिंग का कराएँगे। जो भी संचालित हो रही है या इंडस्ट्रीज हो या कोई भी संस्थान, तभी रियल पिक्चर सामने आ पाएगी। वैसे ये निर्देश बार बार संचार के माध्यम से हम लोग जारी करते रहे है की बिना एनओसी के कोई भी इस तरह के संस्थान या बिल्डिंग में कोई कार्य न हो। अगर कही कोई उल्लंघन करता हुआ पाया जाता है तो जो भी विधिक प्रावधान है और चाहे फिर केस दर्ज करना हो या उनके संस्थान को बंद कराना हो, ये सारी कार्रवाई हम लोग करेंगे।

ग्रेटर नोएडा की व्हाइट आर्चिड ....

डिप्टी रजिस्टार ने तत्काल प्रभाव से एओए को निरस्त कर दिया है। एओए की मान्यता निरस्त होने के बाद सोसायटीवासियों में खुशी है।

व्हाइट आर्चिड सोसायटी एओए पर आरोप है कि इस अपार्टमेंट ओनर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पिछले 10 महीने के अंदर सोसायटी का पूरा मेंटेनेंस का पैसा गबन कर लिया है तथा उसका कोई भी हिसाब नहीं दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त मेंटेनेंस का पैसा कई ऐसे कामों में इस्तेमाल हो रहा है जिसकी सोसायटी को कोई जरूरी प्रतीत नहीं हो रही है। जैसे कि पुराने कॉमन एरिया टाइल्स को उखाड़ कर वापस बिल्डर के द्वारा छोड़े हुए पुराने टाइल्स को लगा देना तथा पुराने स्विमिंग पूल को तोड़कर फिर से बनवाना इत्यादि।

इस सम्बंध में दिनेश सक्सेना व अन्य ने संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त पत्र डिप्टी रजिस्टार ऑफिस में दिया था जिसमें आरोप लगाया गया था कि सुधीर कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली एओए सभी आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं और चुनाव प्रक्रिया आरंभ नहीं की गई न ही जीबीएम बुलाई गई।

रूपवास में हवन....

तथा डाक्टरों से सलाह ली तथा उन्हें चश्में व दवाई का भी वितरण किया गया।

बता दें कि चौ. बिहारी सिंह बागी को जनांदोलन का प्रणेता भी कहा जाता है। वे किसानों व क्षेत्र के लोगों को समस्या के लिए वे शासन-प्रशासन से सीधी टक्कर लेते थे इसलिए उन्हें कर्मयोगी भी कहा जाता है।

शिल्पा शेट्टी के पति....

दो महीने जेल में बिताने के बाद वह फिलहाल सितंबर 2021 से जमानत पर हैं।

पुलिस का दावा है कि राज कुंद्रा और उनकी कंपनी पोर्न फिल्मों के जरिए ना सिर्फ मोटी कमाई कर रहे थे बल्कि उन्होंने देश के कानून को गच्चा देने के लिए भी पूरा इंतज़ाम कर रखा था। सबसे पहले ये जान लीजिए कि आखिर ये राज़ खुला कैसे? मुंबई पुलिस ने इस सिलसिले में इसी साल 4 फरवरी, 2021 को एक केस दर्ज किया था। जब एक लड़की ने मुंबई के ही मालवाणी थाने में इस रैकेट के बारे में एक शिकायत दर्ज करवाई थी।

होशियारपुर में गरजा....

आपको बता दें कि नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम ने सख्त निर्देश दिए हैं कि नोएडा में अवैध रूप से निर्माण को किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध रूप से प्राधिकरण की जमीन पर निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

खैबर पख्तूनख्वा में हालत नाजुक

वाशिंगटन। पाकिस्तान में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार चरम पर है। बीते दिनों पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस्लामाबाद में पैदल मार्च निकाला था। उधर, खैबर पख्तूनख्वा में भी हालत नाजुक हैं। वहां पिछले दिनों आतंकी हमला हुआ था। इसके बाद अब अमेरिका ने अपने नागरिकों को खैबर पख्तूनख्वा के इलाके में जाने से रोक दिया है। अमेरिका ने एडवायजरी जारी कर कहा है कि उसके नागरिक खैबर, पेशावर गोल्फ क्लब, खैबर रोड, होटल सेरेना समेत अनेक इलाकों में 16 दिसंबर तक न जाएं। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों से कहा है कि 16 दिसंबर 2024 की अवधि के दौरान इस इलाके और आसपास के क्षेत्रों में जाने से बचें और अपनी यात्रा की योजनाओं पर फिर से पुनर्विचार करें। अमेरिकी ने अपने नागरिकों से कहा है कि वह आतंकवाद के कारण इस इलाके में यात्रा न करें। इसलिए सलाह जारी की गई है उस सलाह को ध्यान में रखें। यदि आप किसी कारणवश इन इलाकों में मौजूद हैं तो तत्काल वह इलाका छोड़ दें। अमेरिकी द्वारा जारी इस अलर्ट के बाद माना जा रहा है कि पाकिस्तान में कोई बड़ा आतंकवादी हमला इस अवधि में हो सकता है।

पीएम की कार से टकराई पुलिस की कार

वेलिंगटन । वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और वित्त मंत्री निकोला विलिस को ले जा रही एक सरकारी लिमोजिन कार के पिछले हिस्से से पुलिस की कार टकरा गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। दुर्घटना न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन में हवाई अड्डे की मुख्य सड़क पर हुई, जहां संसद स्थित है। हालांकि दुर्घटना मामूली थी और कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने टक्कर की जांच शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड का गृह मंत्रालय आधिकारिक वाहनों का प्रबंधन करता है। गृह मंत्रालय ने कहा कि दुर्घटना में लिमोजिन कार का पिछला हिस्सा क्षतिगस्त हो गया है। लक्सन ने कहा कि दुर्घटना थोड़ा चौंकाने वाली थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ठीक हैं और उन्हें नहीं पता कि कार को सेवा से हटा लिया जाएगा या नहीं।

रुस ने ब्रिटिश नागरिकों के प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध

मॉस्को । रूसी विदेश मंत्रालय ने ब्रिटिश पक्ष की शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों के जवाब में 30 ब्रिटिश नागरिकों के रूसी क्षेत्र में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंत्रालय के अनुसार, ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा शत्रुतापूर्ण व्यवहार के जवाब में रूस प्रतिबंध सूची का और विस्तार करने के लिए तैयार है। इससे पहले रूसी विदेश मंत्रालय ने जासूसी के आरोप में एक ब्रिटिश राजनयिक को निष्कासित करने के बाद रूस में ब्रिटिश राजदूत को तलब किया और विरोध दर्ज कराया। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) का हवाला देते हुए सरकारी न्यूज एजेंसी ने बताया कि विल्क्स एडवर्ड प्रायर नामक ब्रिटिश राजनयिक पर अपने दस्तावेजों में गलत जानकारी देने और जासूसी समेत कई असामान्य गतिविधियों को अंजाम देने का आरोप लगाया गया है। एफएसबी ने कहा कि उसे दो दिनों के भीतर रूस छोड़ देना चाहिए।

कड़कड़ाती ठंड से परेशान दिल्ली में स्मॉग का भी बढ़ा खतरा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को ठंड, धुंध और बढ़ते प्रदूषण की दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी में वायु गुणवत्ता लगातार बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। वहीं, बुधवार की रात इस मौसम की दूसरी सबसे ठंडी रात के रूप में दर्ज की गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक, यानी 10.4 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। इस सीजन की सबसे ठंडी रात 21 नवंबर को थी, जब तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। दिल्ली में वायु गुणवत्ता

बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च के अनुसार, गुरुवार सुबह 6 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 302 दर्ज किया गया। हालांकि, इसमें मामूली सुधार देखा गया है, क्योंकि बुधवार को एक्यूआई 312 दर्ज किया गया था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार सुबह 6 बजे विभिन्न क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक निम्न प्रकार दर्ज किया गयाः आनंद विहार में 357, अशोक विहार में 318, बवाना में 341, बुराड़ी क्रॉसिंग में 320, जहांगीरपुरी में 354, चांदनी चौक में 293, द्वारका सेक्टर 8 में 332, आईजीआई एयरपोर्ट पर 301, आईटीओ में 284, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 267, लोधी रोड पर 261, मुंडका में 364, नरेला में 312, नेहरू नगर में 331, पटपड़गंज में 325, पंजाबी बाग में 311, पूसा में 281, आरके पुरम में 310, रोहिणी में 317, शादिपुर में 351, विवेक विहार में 328 और वजीरपुर में 330।

संभल हिंसा के बाद अब हालात सामान्य, खुल गए बाजार और दुकानें

एजेंसी

संभल। संभल में हिंसा के बाद अब हालात सामान्य हो गए हैं। बाजार व दुकानें खुल गई हैं, लेकिन जामा मस्जिद के पास की दुकानें अभी बंद हैं। इसको लेकर मस्जिद से ऐलान किया गया है कि लोग काम पर लौटें। लोगों से ये भी अपील की गई है कि जुम्मे की नमाज लोग अपने घरों के पास वाली मस्जिदों में ही पढ़ लें। वहीं दूसरी ओर पुलिस उपद्रवियों की धरपकड़ कर रही है। हिंसा मामले में अबतक 28 लोगों को गिरफ्तारी हो चुकी है। साथ ही हिंसा में शामिल 200 लोगों की फोटो भी जारी की जा चुकी है। शाही जामा मस्जिद से अपील की गई है कि लोग जामा मस्जिद पर ज्यादा भीड़ न लगाएं। जो हुआ उसका अफसोस है। लोग अपने-अपने काम पर लौटें और दुकानें खोलें। संभल पुलिस ने फरहत को गिरफ्तार कर लिया है। दंगा के बाद फरहद ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था, जिसमें बेहद उकसाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया गया था। इस हिंसा में शामिल अन्य उपद्रवियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों के जरिए आरोपियों की पहचान की है और उनकी फोटो निकाली है। उपद्रवियों के पोस्टर सार्वजनिक जगहों पर लगवाए जाएंगे और उनसे नुकसान की भरवाई भी करवाई जाएगी। इस मामले में जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से यूपी सरकार को रिपोर्ट भेज दी गई है, जिसमें बताया गया है कि जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा कैसे शुरू हुई और हालात पर काबू कैसे पाया गया। इतना ही नहीं हिंसा करने वालों पर प्रशासन ने क्या-क्या कार्रवाई की है, ये भी रिपोर्ट में बताया गया है।

आज से शुरू होगा आलमी तब्लीगी इज्तिमा, देश-विदेश से आएंगी जमातें

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के ईंटखेड़ी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घासीपुरा में 29 नवंबर से मुस्लिम समाज के धार्मिक सम्मेलन आलमी तब्लीगी इज्तिमा का आयोजन होने जा रहा है। इसमें देश-दुनिया की करीब 30 हजार से अधिक जमातें शामिल होंगी। 02 दिसंबर तक आयोजित इस कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी हैं। बाहरी जमातों के आने का सिलसिला 15 दिन पहले ही शुरू हो गया था और रोजाना बड़ी संख्या में लोग ट्रेन और फ्लाइट से भोपाल पहुंच रहे हैं। आयोजन समिति के मुताबिक चार दिनों तक चलने वाले इस आलमी तब्लीगी इज्तिमा में 10 से 12 लाख लोगों के शामिल होने का अनुमान है। आयोजन स्थल का दायरा भी बढ़ा

दिया गया है। वालिंटियर, खानपान, जमातियों के ठहरने के इंतजाम और साफ-सफाई की व्यवस्था भी इस बार बढ़ा दी गई है। इज्तिमा में चार दिनों तक देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग भोपाल पहुंचेंगे। इसमें विदेश से भी जमाती आएंगे। लोग रेलवे स्टेशन और पुराने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। इज्तिमा के समापन दिवस पर 02 दिसंबर को दुआ की नमाज अदा की जाएगी, जिसमें लाखों की संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी शामिल होंगे। कोरोना के बाद से अब तक हुए इज्तिमा के आयोजन में जमातों को सीमित संख्या में ही बुलाया जा रहा था, लेकिन इस बार कोरोना का असर पूरी तरह से खत्म हो चुका है। यही कारण है कि इस बार देशी ही नहीं विदेशों से भी जमातें पहुंच रही हैं।

भोपाल में इस साल यह 77वां आलमी तब्लीगी इज्तिमा है। भोपाल में लगने वाला दुनिया का सबसे बड़ा इज्तिमा माना जाता है। इसकी शुरूआत 1947 को हुई थी। मस्जिद शकूल खां में यह पहली बार शुरू हुआ था। उस समय केवल 12 से 14 लोग ही थे। बाद में 1971 से इसका विस्तार होता गया और यह ताजुल मसाजिद में होने लगा। धीरे-धीरे देश-दुनिया से आने वालों की संख्या बढ़ने लगी और यह स्थान भी छोटा पड़ गया और इसे ताजुल मसाजिद से शिफ्ट करके 2015 में बैरसिया रोड स्थित ईंटखेड़ी के पास घासीपुरा में शिफ्ट कर दिया गया।

साइबर अपराध की जांच करने पहुंची ईडी टीम पर हमला

नई दिल्ली। साइबर अपराध मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर गुरुवार को दिल्ली में आरोपियों ने हमला बोल दिया। घटना बिजवासन इलाके में उस समय हुई जब ईडी की टीम जांच कर रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों की सुरक्षा करने तुरंत मौके पर पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक यह घटना उस समय हुई जब ईडी टीम पीपीपीवाईएल साइबर ऐप धोखाधड़ी मामले की जांच करने बिजवासन इलाके में पहुंची। जांच के दौरान टीम पर आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों ने हमला कर दिया। हमले में एक सहायक निदेशक घायल हो गया। वहीं मुख्य आरोपी अशोक शर्मा बताया जा रहा है। एक अन्य आरोपी मौके से भागने में सफल रहा। उसे पकड़ने का पुलिस प्रयास कर रही है।

संसद में गौतम अडानी को लेकर कांग्रेस के हंगामे से नाराज हुई ममता बनर्जी

एजेंसी

नई दिल्ली । संसद के शीतकालीन सत्र में दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के मुद्दे पर अब तक हंगामा ही देखने को मिला है। कांग्रेस और खासकर लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की ओर से इस मुद्दे को उठाया जा रहा है। वहीं अब विपक्षी दल में शामिल टीएमसी के सुर अलग सुनाई पड़ रहे हैं। फिर बंगाल की सीएम और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन से अलग स्टैंड लेती हुई दिख रही हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) टीएमसी ने अपने सांसदों की बैठक में कांग्रेस से अलग राह अपनाने का फैसला किया है। बैठक संसद के दोनों सदनों में अडानी मामले पर कांग्रेस के हंगामे के बीच हुई। टीएमसी

चाहती है कि संसद को चलने दिया जाए, ताकि जनता के मुद्दे उठाए जा सकें। राज्यसभा में टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बताया कि टीएमसी संसद में जनता की आवाज बनना चाहती है।

टीएमसी बंगाल को केंद्र से मिलने वाले फंड में कथित कमी और मणिपुर की स्थिति जैसे मुद्दे को उठाना चाहती है। टीएमसी लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा, टीएमसी चाहती है कि संसद चले, ताकी जनहित के मुददे उठाए जा सके।

डीसीपी सचिन शर्मा के नेतृत्व में जुआरियों के अड्डे पर बड़ी करवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। योग्य डीसीपी सचिन शर्मा के नेतृत्व में जिला पुलिस जिले को अपराध मुक्त बनाने के लिए लगातार हर संभव प्रयास कर रही है इसी कड़ी में जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ एसीपी नरेंद्र खत्री की टीम को नांगलोई में अवैध जुआ खेले जाने के अड्डे के बारे में पुख्ता जानकारी मिली थी, मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी नरेंद्र खत्री की समर्पित टीम ने तुरंत छापेमारी की और एक नाबालिक सहित 21 जुआरियों को हिरासत में लिया जुए के लिए दांव पर रखे गए 35,000 रुपये तथा अन्य जुआ सामग्री भी बरामद की

गई,जुआरियों के अड्डे पर चिड़िया,कबूतर,तितली,नंबरों पर लग रहे थे हजारों रुपए के दाव।

इजरायली धर्मगुरु की हत्या के आरोपी गिरफ्तार

इस्तांबुल । तुर्की की खुफिया एजेंसी और पुलिस ने इस्तांबुल में तीन उज्बेक नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले एक इजरायली-मोल्दोवान नागरिक की हत्या का आरोप है। तुर्की के सूत्रों के मुताबिक यह गिरफ्तारी संयुक्त अरब अमीरात के अनुरोध पर की गई है। हालांकि, गिरफ्तार हैं बहुत कुछ के पीछे छिपी रहस्यमय घटनाओं का आयोजन करते हुए। गतिविधियों की मोनिटरिंग के दौरान खुफिया एजेंसी ने संदिग्धों की एक टैक्सी को रोककर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, गिरफ्तार हुए नागरिकों को संयुक्त अरब अमीरात में प्रत्यर्पित कर दिया गया।

लापरवाही बरतने वाले चार एसएचओ निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने जिला रेवाड़ी में पिछले दिनों हुई लूटपाट की घटना का कड़ा संज्ञान लेते हुए लापरवाही बरतने वाले 4 एसएचओ को निलंबित करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी, पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में प्रदेश भर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित जिला पुलिस अधीक्षकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। बैठक में कानून व्यवस्था सुचारू रखने सहित कई अन्य

महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई,बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर कई बार दिशा निर्देश व चेतावनी दी गई है, साथ ही अब लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस फील्ड में अपनी मौजूदगी को प्रभावी बनाएं और संदिग्ध लोगों से पूछताछ करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे प्रत्येक स्तर पर कार्यरत अधिकारी अथवा कर्मचारी की काम को लेकर टास्किंग करें। उन्होंने कहा कि काम को लेकर कर्मचारियों की रिपोर्टिंग व्यवस्था जितनी मजबूत व अच्छी होगी, फील्ड में पुलिस की कार्य प्रणाली उतनी ही बेहतर होगी। उन्हें रोजाना सुबह काम दें और शाम को काम का हिसाब ले। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अधिकारी काम को सुपरवाइज करते रहे,इसके साथ ही श्री कपूर ने कहा कि हरियाणा पुलिस की फॉरेंसिक साइंस लैब में कार्यरत स्टाफ की संख्या को पहले की अपेक्षा दोगुना कर दिया गया है। अब फॉरेंसिक लैब में भेजे जाने वाले नमूनों की जांच पहले की अपेक्षा जल्दी हो सकेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जिलों में भी फॉरेंसिक लैब स्थापित की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे जिलों में स्थापित होने वाली इन फॉरेंसिक लैब को सुदृढ़ बनाएं ताकि जिला में एकत्रित होने वाले नमूनों के लिए वह सिंगल पॉइंट ऑफ कलेक्शन हो,बैठक में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य अपराध शाखा ममता सिंह, आईजी पर्सोनल राज श्री, पुलिस आयुक्त पंचकूला राकेश आर्य, एआईजी प्रोविजनिंग कमलदीप गोयल, एआईजी वेलफेयर मोहित हांडा, एआईजी एडमिन हिमांशु गर्ग सहित कई अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

जामा मस्जिद के बाद अजमेर दरगाह को बताया शिव मंदिर

एजेंसी

जयपुर। संभल की जामा मस्जिद का विवाद अभी सुलझा भी नहीं था कि अजमेर दरगाह को लेकर एक और विवाद खड़ा हो गया है। अजमेर स्थित प्रसिद्ध ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को हिंदू पूजा स्थल (मंदिर) बताने वाली याचिका को निचली अदालत ने स्वीकार कर लिया है। यह याचिका हिंदू सेना के विष्णु गुप्ता द्वारा दायर की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए अजमेर पश्चिम सिविल जज सीनियर डिविजन मनमोहन चंदेल ने 20 दिसंबर को अगली सुनवाई की तारीख तय की है और सभी पक्षकारों को नोटिस जारी कर दिया है। हिंदू संगठन लंबे समय से अजमेर दरगाह को एक हिंदू मंदिर बताने का दावा कर

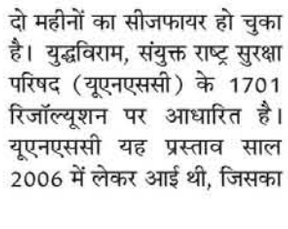

रहे हैं। इन संगठनों का कहना है कि यह दरगाह दरअसल एक शिव मंदिर था, जिसे बाद में दरगाह के रूप में स्थापित कर दिया गया। साल 2022 में महाराणा प्रताप सेना ने भी इस मुद्दे को उठाया था, और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं केंद्र सरकार से जांच की मांग की थी। उनका दावा था कि दरगाह की खिड़कियों पर स्वस्तिक के निशान थे, जो हिंदू पूजा स्थलों में आम होते हैं। संभल में 4 की जा चुकी है जान उत्तर प्रदेश के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक याचिका में मस्जिद को हरिहर मंदिर बताने की मांग की गई थी, जिसके बाद कोर्ट ने मस्जिद का सर्वे करने का आदेश दिया। 19 और 24 नवंबर को हुए सर्वे के दौरान, जब सर्वे टीम को मस्जिद में जाने की अनुमति दी गई, तो बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। इसके बाद हिंसा भड़की और 4 लोगों की जान चली गई। यहां पथराव किया और कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। कई उपद्रवियों को गिरफ्तार भी किया गया। इसके बावजूद सर्वे टीम ने अपना काम पूरा किया और रिपोर्ट 29 नवंबर को अदालत में पेश की जाएगी।

ट्रंप को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

लॉस एंजेल्स । अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एरिजोना के मैनुअल तामायो-टोरेस ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो पोस्ट किए थे जिसमें पूरे परिवार को मार देने की बात थी। एक समाचार एजेंसी ने बताया कि अदालती दस्तावेजों से पता चला है कि संदिग्ध ने हाल के महीनों में फेसबुक पर कई वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें से एक में वह सफेद रंग की एआर-15 की राइफल पकड़े हुए दिखाई दे रहा है, जिसमें 30 राउंड की मैगजीन लगी हुई थी।

पीटीई का प्रदर्शन रुका पर तनाव बरकरार

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई को लेकर बवाल मचा हुआ है। राजधानी इस्लामाबाद में पीटीआई प्रदर्शन से पीछे जरुर हट गई है, लेकिन हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इससे पहले हालात इस कदर खराब हो गए थे कि सरकार को सेना तैनात करनी पड़ी थी।

पीटीआई प्रमुख और पूर्व पीएम इमरान खान के समर्थकों ने इस्लामाबाद कूच के तहत सड़कों पर उतरकर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ हिंसक घटनाएं भी हुईं। हालात काबू करने के लिए जवानों ने बल प्रयोग भी किया। इसी बीच खबर चली कि पुलिस ने

इमरान खान का समर्थन करने वाले करीब एक हजार लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रदर्शन का आव्हान करने वाली इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के कंटेनर में आग भड़की, जिसके बाद प्रदर्शन को खत्म करने का ऐलान कर दिया गया। इमरान समर्थकों ने अपना प्रदर्शन वापस ले लिया है, लेकिन तनाव बरकरार है। बताया जा रहा है कि पीटीआई के समर्थक इस्लामाबाद से वापस अपने घरों की तरफ लौट रहे हैं। आधी रात को की गई पुलिस की कार्रवाई के चलते इमरान खान के समर्थकों को डी-चौक और उसके आस-पास के मुख्य व्यापारिक जिले को खाली करना पड़ा, जिससे उनका विरोध प्रदर्शन समाप्त हो गया।

इजराइल और हिजबुल्लाह में सीजफायर, अब गाजा में भी हो सकती है शांति

एजेंसी

गाजा। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच बुधवार सुबह सीजफायर हो गया। यूएनएससी रिजॉल्यूशन के तहत इस शांति की खास बात ये है कि सीजफायर सिर्फ 60 दिनों के लिए है। इस मियाद में इजराइल और हिजबुल्लाह दोनों पक्ष अपनी-अपनी तरफ से शांति की कोशिश करेंगे, लेकिन क्या ये वक्त खत्म होते ही मिडिल ईस्ट फिर अशांत हो सकता है? पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने एक हमले में हजारों इजराइली नागरिकों की जान ले ली और ढाई सौ से ज्यादा को अगवा कर लिए थे। इसके बाद इजराइल ने भी हमला किया था और मिडिल ईस्ट में चिंगारी ने आग का रुप ले लिया। इसमें लेबनान का चरमपंथी

समूह हिजबुल्लाह भी शामिल हो गया, जो हमास की विचारधारा को सपोर्ट करता है। हमास और इजराइल के बीच तो अनाधिकारिक तौर पर जंग अब भी जारी है लेकिन हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच दो महीनों का सीजफायर हो चुका है। युद्धविराम, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के 1701 रिजॉल्यूशन पर आधारित है। यूएनएससी यह प्रस्ताव साल 2006 में लेकर आई थी, जिसका मकसद हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच तनाव को कम करना है। साथ ही ये बफर जोन में स्थाई सीजफायर की बात भी करता है। बता दें कि दक्षिणी हिस्से में ही हिजबुल्लाह का हेडक्वार्टर है। अब इस जगह से दोनों को ही हटने के लिए कहा गया है और लेबनानी सेना वहां रहते हुए ये तय करेगी कि युद्धविराम पूरी तरह से लागू हो सके।

पिछले कुछ दिनों में दोनों के बीच हमलों में कमी आई। यूएनएससी का रिजॉल्यूशन भी एकाएक लागू नहीं हुआ, बल्कि कई बड़े देश इसके लिए काम कर रहे थे। असल में हमलों के बीच लेबनान में हजारों जानें जा चुकीं और विस्थापन भी बढ़ गया था। यही वजह है कि अमेरिका समेत पूरा यूरोप एक्शन में आ गया। इस दौरान हिजबुल्लाह लेबनान और इजरायल के बीच के बफर जोन से अपने लड़ाके हटा लेगा। साथ ही इजरायल भी लेबनानी बॉर्डर से हट जाएगी। इन दोनों की बजाए वहां लेबनानी आर्मी होगी जो तय करेगी कि अंदर-अंदर कोई सुगबुगाहट न हो। सीजफायर समझौता फिलहाल 60 दिनों के लिए है। इस दौरान साउथ लेबनान के लाखों लोगों समेत उत्तरी लेबनान की भी हजारों की आबादी घर लौट सकेगी। बता दें उत्तरी हिस्से में इजराइल के भी काफी लोग हैं, जो लड़ाई की वजह से होटलों में रह रहे हैं। इसका बड़ा खर्च सरकार उठा रही है, जिससे इजराइल पर आर्थिक दबाव बना है। युद्ध रुकने पर ये भी रुकेगा। वैसे तो मध्यस्थता कर रहे देशों ने इसे परमानेंट पीस की नींव कहा है लेकिन मिडिल ईस्ट के इतिहास को देखते हुए कुछ भी निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता

अमेरिका में 3,000 से अधिक नकली गिब्सन इलेक्ट्रिक गिटार जब्त

एजेंसी

लॉस एंजिल्स । अमेरिका में सीमा शुल्क विभाग ने 3,000 से अधिक नकली गिब्सन इलेक्ट्रिक गिटार पकड़े हैं। यह रिकॉर्ड नकली म्यूजिकल सामानों की जब्ती है। इसकी जानकारी अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग ने दी। साल 1902 में कलामजू, मिशिगन में स्थापित प्रतिष्ठित अमेरिकी गिटार ब्रांड ने अपने सभी उपकरणों का उत्पादन विशेष रूप से अमेरिकी में किया है। एक नए प्रामाणिक गिब्सन गिटार की कीमत आमतौर पर 500 यूएस डॉलर से 2,000 डॉलर के बीच होती है। जबकि, कुछ मॉडल 10,000 डॉलर में भी बिकते हैं। सीमा शुल्क

अधिकारियों के अनुसार, यह नकली गिटार ई-कॉमर्स बाजार के लिए थे, अगर असली होते, तब उनकी अनुमानित कीमत 18 मिलियन डॉलर होती। इसतरह के प्रोडक्ट अक्सर निम्न-गुणवत्ता या खराब सामग्रियों का उपयोग कर-के बनाए जाते हैं। यह हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। साथ ही इसका घटिया क्वालिटी का सामान आग लगने के खतरे को भी पैदा कर देते हैं।

खास खबर

लेवांडोव्स्की 100 गोल वाले क्लब में शामिल

रोम । पोलैंड के पेशेवर फुटबॉलर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले ये उपलब्धि केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के नाम थी। लेवांडोव्स्की ने ब्रेस्ट के खिलाफ बार्सिलोना की 3-0 से जीत के दौरान ही चैंपियंस लीग में अपने 100वां गोल पूरे किये। इस स्टार स्ट्राइकर ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में प्रतियोगिता में अपना 101वां गोल दागा। चैंपियंस लीग में सबसे अधिक 140 गोल रोनाल्डो के नाम हैं जबकि मेसी के नाम 129 गोल दर्ज हैं। लेवांडोव्स्की ने 100 गोल करने पर कहा, ह्यायह बहुत अच्छी संख्या है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चैंपियंस लीग में इतने गोल कर पाऊंगा। मैं क्रिस्टियानो और मेसी के क्लब में शामिल होकर उत्साहित हूं।

समीर ने जीता कुराश प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल

इन्दौर । सेंट उमर हायर सेकंडरी स्कूल के कक्षा 10वीं के छात्र समीर पटेल वाघेला ने 13 से 16 नवंबर तक वैष्णव स्कूल, इन्दौर में आयोजित कुराश प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर अपने स्कूल और परिवार का नाम रोशन किया है। समीर पटेल वाघेला ने 81+ वजन श्रेणी में उज्जैन और रीवा संभाग के खिलाड़ियों को हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया और राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान पक्का किया। इसके अलावा, सेंट उमर हायर सेकंडरी स्कूल के कक्षा 11 के छात्र अल्तमश खान ने अंडर 19 आयु वर्ग में सिल्वर पदक और अंडर 14 आयु वर्ग में ईशान ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इस्लामिया करीमिया सोसायटी की मैनेजिंग कमेटी, सेंट उमर हायर सेकंडरी स्कूल के प्राचार्य संदेश गुप्ता एवं खेल अधिकारी डॉ. रफीक खान ने समीर पटेल वाघेला, अल्तमश खान और ईशान की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया और कहा, हम अपने छात्रों की उपलब्धियों पर बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। यह उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

पाक की चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी खतरे में

लाहौर। पाकिस्तान में जारी विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए अब उसकी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी खतरे में पड़ती नजर आ रही है। जिस प्रकार से राजनीतिक हालात खराब हो रहे हैं और हिंसा बढ़ रही है। उसी को देखते हुए श्रीलंकाई ए टीम को अपना दौर रद्द कर बीच में ही स्वदेश लौटना पड़ा है। इसके बाद से ही ये सवाल उठने लगे हैं कि ऐसे हालातों में चैंपियंस ट्रॉफी कैसे खेली ज सकेगी। ये सब घटनाक्रम अब शुक्रवार को होने वाली आईसीसी बोर्ड की बैठक में भी उठेगा। इसी बैठक में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर फैसला होगा। ऐसे में राजनीतिक अराजकता और हिंसा से पाक क्रिकेट बोर्ड की दावेदारी कमजोर पड़ेगी। कुछ और प्रतिभागी देशों के भी सुरक्षा चिंता व्यक्त किए जाने के कारण, इस आयोजन को पाक से बाहर ले जाने की आशंका बढ़ गयी है। ऐसे में अपनी मेजबान बचाने पीसीबी अब इसे हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने पर सहमति जता सकती है।

शमी जमकर पिटे, श्रेयस की शानदार बल्लेबाजी

▶ पृथ्वी फिर शून्य पर आउट हुए

एजेंसी

नई दिल्ली । तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी अच्छी नहीं रही है। शमी की गेंदों को एक नये बल्लेबाज मोहित जांगड़ा ने जमकर पीटा है। बंगाल की ओर से खेलते हुए शमी इस मैच में मिजोरम की टीम के खिलाफ 4 ओवर में 46 रन देकर एक भी विकेट नहीं ले पाये। बंगाल टीम इसके बाद भी इस मैच को जीतने में सफल रही।

मिजोरम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 157 रन बनाए। मोहित जांगड़ा ने 80 रन जबकि अग्नि चोपड़ा ने 13 रन बनाए। वहीं बंगाल की ओर से कनिष्क सेठ, सयान घोष और करन लाल ने एक-एक विकेट लिए। इसके बाद 158 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगाल की टीम ने आसानी से मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने 45 गेंद में 81 रन बनाये। इस दौरान उन्हें साथी सलामी बल्लेबाज करन लाल का भी अच्छा साथ मिला। करन ने 67 रन बनाए। इन दोनों के आउट होने के बाद हबीब गांधी और ऋत्विक रॉय चौधरी ने 16वें ओवर में टीम को जीत दिला दी।

वहीं एक अन्य मैच में मुंबई ने महाराष्ट्र को 5 विकेट से हराया। इस मैच में मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 39 गेंद में 71 रन बनाये। वहीं अजिंक्य रहाणे ने 34 गेंद में 52 रन बनाए। आईपीएल नीलामी में नहीं बिके पृथ्वी शॉ इस मैच में भी शून्य पर ही आउट हो गये। महाराष्ट्र ने पहले खेलते हुए 9 विकेट पर 171 रन बनाए। मुंबई ने ये लक्ष्य 17.1 ओवर में 5 विकेट पर ही हासिल कर लिया।

पृथ्वी का करियर पड़ा खतरे में

एजेंसी

मुम्बई । अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान पृथ्वी शॉ को एक समय भारतीय क्रिकेट का भविष्य बताया जा रहा था। पृथ्वी ने अपने टेस्ट पदार्पण में ही शतक लगा इस उम्मीद को और बल दिया था पर कुछ समय बाद ही हालात बदलने लगे और पृथ्वी की बल्लेबाजी फिकी पड़ने लगी वह सभी जगहों पर विफल होने लगे। इस बार तो आईपीएल नीलामी में उनपर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगायी जिससे साफ है कि वह अब तेजी से अपने करियर में नीचे जा रहे हैं। एक समय आईसीसी ने उन्हें अगला सचिन तेंदुलकर बताया था पर अब उनका करियर आज खराब होता दिख रहा है। यहां तक कि उन्हें अनफिट बताकर पृथ्वी को मुंबई रणजी टीम से भी बाहर कर दिया गया है। आईपीएल की मेगा नीलामी में दो बार उनका नाम आया और 75 लाख रुपये के आधार मूल्य के बावजूद उनके लिए एक

भी बोली नहीं लगी. एक टेबल पर सौरव गांगुली थे, दूसरी पर राहुल द्रविड़. आशीष नेहरा, पार्थिव पटेल, जस्टिन लैंगर, रिकी पोंटिंग, स्टीफन फ्लेमिंग और डेनियल विटोरी भी बोली लगाने के लिए सलाह दे रहे थे लेकिन पृथ्वी में किसी की भी दिलचस्पी नहीं थी। ठीक इसी प्रकार भारतीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली ने एक साथ नाम कमाया था। घरेलू क्रिकेट में रिकार्ड रन बनाकर दोनों ने टीम इंडिया में जगह बनायी थी। सचिन ने अनुशासन और क्रिकेट के प्रति समर्पण के बल पर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

अनकैप्ड ऑलराउंडर की ऑस्ट्रेलियाई टीम में एंट्री

एजेंसी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट के लिए टीम में अनकैप्ड ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को शामिल किया है। वेबस्टर को फिटनेस से जूझ रहे मिचेल मार्श के कवर के रूप में शामिल किया है। मार्श की तरह वेबस्टर भी तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं। क्रिकेट.कॉम.एयू के अनुसार पर्थ में ऑस्ट्रेलिया की 295 रन से हार के बाद मार्श की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। हालांकि कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिया था कि वे एडिलेड में 13 सदस्यीय टीम के साथ ही जाएंगे, लेकिन

खिलाड़ी की फिटनेस की चिंता को लेकर वेबस्टर को टीम में शामिल किया गया है। 30 वर्षीय खिलाड़ी वेबस्टर का पिछले 18 महीनों में शेफील्ड शील्ड में शानदार प्रदर्शन रहा है। इसके अलावा हाल ही में इंडिया-ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट सीरीज में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। क्रिकेट.कॉम.एयू के हवाले से वेबस्टर ने कहा कि मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ (ऑस्ट्रेलिया ए के लिए) कुछ रन और विकेट हासिल करना सुखद रहा। ए टीम के लिए खेलना टेस्ट से एक कदम नीचे है इसलिए यह आपको अच्छा महसूस कराता है। एनएसडब्ल्यू (न्यू साउथ वेल्स) खेल के अंत में 'बेल्स' (चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली) से कॉल प्राप्त करना वास्तव में गर्व का क्षण था और मैं टीम में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। उल्लेखनीय है कि पहला टेस्ट मैच जीतकर भारतीय टीम ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा।

पंड्या ने की आक्रामक बल्लेबाजी

एजेंसी

नई दिल्ली । आठ साल बाद सैयद मुश्ताक अली घरेल क्रिकेट टूर्नामेंट खेलते हुए ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का शानदार प्रदर्शन जारी है। बड़ौदा की ओर से खेलते हुए पंड्या ने तमिलनाडु के खिलाफ मैच में एक ओवर में 29 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। पंड्या ने ये रन तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह के एक ही ओवर में बना दिये। उन्होंने इस ओवर में 4 छक्के और एक चौका लगाया। गुरजपनीत को हाल ही में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2025 सत्र के लिए हुई नीलामी में 2.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। पंड्या के 30 गेंद में

69 रनों की सहायता से बड़ौदा ने तमिलनाडु को अंतिम गेंद पर 3 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। तमिलनाडु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एन जगदीशन के अर्धशतक से 6 विकेट पर 221 रन बनाए थ। वहीं विजय शंकर ने 22 गेंद में 42 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा ने 6 विकेट 152 रन पर गंवा दिए पर हार्दिक ने टीम को मैच में वापसी करायी।

बजरंग पूनिया ने सरकार पर बदले की कार्रवाई का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने खेलों से चार साल के लिए निलंबित किये जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सरकार बदले की कार्रवाई कर रही है और अगर वह भाजपा में जाते हैं तो ये निलंबन हटा लिया जाएगा। इससे पहले बजरंग को जांच के लिए नमूना देने से मना करने के कारण चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। वहीं नाडा ने कहा कि बजरंग ने 10 मार्च को राष्ट्रीय टीम के लिए चयन ट्रायल के दौरान नमूना देने से इनकार करके नियमों का उल्लंघन किया। डोपिंग रोधी संस्था ने सबसे पहले इस पहलवान को 23 अप्रैल को इस उल्लघंन के लिए निलंबित किया था। जिसके बाद खेल की विश्व संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था। बजरंग ने कहा, ह्यायह हैरानी की बात नहीं है क्योंकि ट्रायल का यह मामला पिछले एक साल से चल रहा है। मैंने पहले भी कहा है कि मैंने नाडा को नमूना देने से इनकार नहीं किया है। जब वे डोप जांच के लिए मेरे घर आए थे तो वे एक ह्यएक्सपायरी किट लेकर आए थे। मैंने इसे सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया है। पूनिया और उनकी साथी पहलवान ओलंपियन विनेश फोगाट इस साल के शुरू में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। बजरंग ने अपने बचाव में कहा, आप किसी भी खिलाड़ी को एक्सपायरी किट नहीं दे सकते। जहां तक मेरा सवाल है तो मेरी टीम वहां थी इसलिए उन्होंने यह देख लिया। वे ह्यएक्सपायरी किट लेकर आए थे।

खेल प्रशिक्षकों के रिक्त पदों पर आवेदन 2 दिसम्बर तक

जौनपुर। उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न खेलों- एथलेटिक्स, तीरन्दाजी, नेटबाल, टेबुल-टेनिस, तलवारबाजी, जिम्नास्टिक, बैडमिन्टन, ताइक्वाण्डो, वुशू, तैराकी, लॉन टेनिस, बास्केटबाल, वॉलीबाल, भारोत्तोलन, हॉकी, जूडो, बाक्सिंग, क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, स्क्वैश, शूटिंग, कुश्ती, साफ्ट टेनिस, क्याकिंग एण्ड केनोइंग, रोइंग, कराटे खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों के 107 रिक्तों पदों को जेम पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाता फर्म के माध्यम से भरकर चयन सम्बन्धी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। इस संबंध में गुरुवार को हिन्दुस्थान समाचार से बात करते हुए जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अतुल कुमार सिन्हा ने बताया कि पूरे प्रदेश में लगभग 450 पद रिक्त थे जिन्हें सेवा प्रदाता एजेंसी के माध्यम से भरा जा रहा है।

एडिलेड में दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी

एडीलेड। भारतीय क्रिकेट अब 6 दिसंबर से एडिलेड में दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा वापसी करेंगे। इसी मैच से शुभमन गिल भी टीम में लौट सकते हैं, जो चोट के कारण पहला टेस्ट मैच नहीं खेल सके थे। इस प्रकार भारत को दो बदलाव करने पड़ सकते हैं। पहले टेस्ट में रोहित के नहीं होने से राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरू करते हुए दोनो ही पारियों में अच्छा प्रदर्शन किया था पर अब वह पारी की शुरूआत नहीं कर पायेंगे। उन्हें किस अगर नहीं तो किस नंबर पर खेलेंगे। ये सवाल अब उठ रहे हैं।

माना जा रहा है कि रोहित और शुभमन को अंतिम ग्यारह में लाने के लिए देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल को बाहर बैठना होगा। ऐसे में राहुल की अंतिम ग्यारह में जगह बनी रहेगी। अब दूसरा सवाल यह है कि केएल राहुल किस नंबर पर खेलेंगे। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि राहुल को या तो पारी की शुरूआत में भेजना होगा या फिर नंबर-3 पर उतारना होगा। साथ ही कहा कि पहले से ही फार्म में चल रहे बल्लेबाज की जगह बदलनी नहीं चाहिये। इसके लिए भले ही रोहित अपने बल्लेबाजी क्रम बदल दें। वहीं अगर रोहित ही पारी शुरू करते हैं तो राहुल को तीसरे नंबर पर ही बल्लेबाजी करानी चाहिए। ऐस में शुभमन को निचले क्रम प भेजा जा सकता है मांजरेकर के अनुसार राहुल अभी लय में हैं और वह किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। उन्हें पांचवे नंबर पर भी उतारा जा सकता है। या भारतीय टीम के पास एक अच्छा बल्लेबाज है जिसका उसे लाभ उठाना चाहिये

फुटबॉल को बढ़वा देने मिनर्वा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू

एजेंसी

चंडीगढ़ । अब पंजाब से भारतीय फुटबॉल को प्रतिभाएं मिलेंगी। अब शेरगिल सॉकर अकादमी के सहयोग से पंजाब के फगवाड़ा में मिनर्वा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू हुई है। मिनर्वा एकेडमी में मिलने वाली अत्याधुनिक सुविधा से जमीनी स्तर पर फुटबॉल का विकास होगाहै। मिनर्वा एकेडमी में प्रतिभाओं को विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, एक्सपर्ट कोचिंग स्टाफ और उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जाएंगे जिससे फुटबॉल की एक नई पीढ़ी निकलेगी। अकादमी के प्रमुख रंजीत बजाज ने कहा, मिनर्वा एकेडमी एफसी जमीनी स्तर से

युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उत्कृष्टता केंद्र पंजाब के युवाओं को शीर्ष-गुणवत्ता वाली कोचिंग और सुविधाओं तक पहुँच प्रदान करके सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि उनके पास राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उपकरण हों। इससे पंजाब का फुटबॉल आगे आएगा और कुल मिलाकर देखा जाये तो भारतीय फुटबॉल को सहायता मिलेगी। वहीं अकादमी से जुड़े ऋषभ नागपाल ने कहा,ह्यह पहल दोआबा क्षेत्र की फुटबॉल विरासत को फिर से जीवंत करने के बारे में है। मिनर्वा की विशेषज्ञता और शेरगिल सॉकर अकादमी की जमीनी स्तर पर पहुंच के साथ हमारा लक्ष्य महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों के लिए अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक विश्व स्तरीय मंच प्रदान करना है।

आईपीएल में इस बार सबसे अधिक विदेशी खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के होंगे

एजेंसी

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी में सबसे अधिक रकम तीन भारतीय खिलाड़ियों को मिली है और सबसे अधिक बोली भी भारतीय खिलाड़ियों पर लगी। नीलामी में कुल 182 खिलाड़ियों पर बोली लगी, इनमें 120 खिलाड़ी भारत के हैं। वहीं बाकी 62 खिलाड़ी विदेशी हैं। विदेशी खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा बोली दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों पर लगी। आईपीएल की तमाम फ्रेंचाइजी ने दक्षिण अफ्रीका के 14 खिलाड़ियों को खरीदा जबकि ऑस्ट्रेलिया के 13 और इंग्लैंड के 12 खिलाड़ियों

पर बोली लगी। इसके अलावा न्यूजीलैंड के 7 जबकि अफगानिस्तान और श्रीलंका के 6-6 खिलाड़ियों पर दांव लगा। वहीं हैरान की बात है कि वेस्टइंडीज के 4 खिलाड़ियों पर ही इस बार बोली लगी जबकि पहले इंडीज खिलाड़ियों को काफी अवसर मिलते थे। नीलामी में खिलाड़ियों की संख्या के हिसाब से भले ही दक्षिण अफ्रीका आगे निकल गया हो पर जहां तक पैसों की बात वह ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाड़ियों से पीछे है। दक्षिण अफ्रीका के 14 खिलाड़ियों पर कुल मिलाकर 47.5 करोड़ की बोली लगी जबकि इंग्लैंड के 12 खिलाड़ी ही 70.25 करोड़ रुपए में बिक गये। वहीं ऑस्ट्रेलिया के 13 खिलाड़ियों पर ही कुल 66.7 करोड़ रुपए की बोली लगी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के तीन-तीन खिलाड़ियों पर 10 करोड़ से ज्यादा की बोलियां लगीं। इंग्लैंड के जॉस बटलर ऑक्शन में सबसे महंगे बिकने वाले विदेशी खिलाड़ी रहे।

आईपीएल नियमों के कारण धोनी और ऋषभ की कमाई में आया भारी अंतर

एजेंसी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी से जहां कई खिलाड़ी रातो रात करोड़पति बन गये। वहीं कई की कीमतें घटी हैं। लीग के नये रिटेंशन नियमों से भी कई खिलाड़ियों को नुकसान हुआ है। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को आईपीएल के पहले सीजन में जितने पैसे मिले थे। उससे कहीं कम इस बार मिले हैं। धोनी अपनी ही टीम में कीमत के मामले में नौवें नंबर पर आ गये हैं। वहीं अगर धोनी की तुलना 2025 के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत से की जाती है तो जितनी धोनी की साल भर की कमाई है उतनी ऋषभ की दो मैचों की कमाई है। नीलामी में ऋषभ

पंत पर सबसे बड़ी बोली लगी और उन्हें लखनऊ पर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं धोनी को चेन्नई सुपरकिंग्स ने 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया है। सीएसके ने आईपीएल के लिए 5 खिलाड़ी रीटेन किए, जिसमें सबसे कम पैसे धोनी को ही मिले हैं। इसका कारण आईपीएल का नया नियम है जिसमें धोनी को अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर रीटेन किया जाना था और इसमें 4 करोड़ से अधिक नहीं दिये जा सकते। आईपीएल 2025 से पहले अनकैप्ड प्लेयर को लेकर कुछ नियम बदले थे, जिसमें 5 साल पहले संन्यास ले चुके क्रिकेटर को अनकैप्ड मानने पर सहमति बनी थी। इसी कारण ऋतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, मथीशा पथिराणा और शिवम दुबे जैसे नये खिलाड़ियों को भी धोनी से ज्यादा पैसे देकर रीटेन किया गया है।

वहीं सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ और धोनी की कमाई में अंतर देखा जाये तो ऋषभ की टीम यदि फाइनल खेलती है तो वह पूरे सीजन में 16 या 17 मैच खेलेगी. अगर हम इसे 17 मैच मान लें कि पंत को एक मैच के औसतन 1.80 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसी तरह अगर चेन्नई सुपरकिंग्स फाइनल में पहुंचे और धोनी 17 मुकाबलों में उतरें तो उनकी प्रति मैच कमाई 23.52 लाख रह जाएगी। धोनी और पंत की इस कमाई में मैच फीस शामिल नहीं है। आईपीएल में पहले मैच फीस नहीं मिलती थी। साल 2025 से अब खिलाड़ियों को मैच फीस भी मिलेगी. इसी तरह यदि सीएसके नॉकआउट राउंड में पहुंचने में नाकाम रहे और धोनी ग्रुप स्टेज के सारे मुकाबले खेलें तो उनकी प्रति मैच फीस 28.57 लाख रुपए रहेगी। अगर लखनऊ नॉकआउट राउंड से बाहर हो जाए और पंत सारे ग्रुप मैच खेलें तो उनकी प्रति मैच फीस 1.92 करोड़ रुपए रहेगी। यदि लखनऊ सुपर जायंट्स नॉकआउट राउंड से पहले ही बाहर हो जाती है तो ऋषभ को दो मैच में औसतन 3.84 करोड़ रुपए मिलेंगे। यह धोनी के पूरे साल के वेतन से थोड़े ही कम होंगे।

स्पेन में यूईएफए यूरोपा लीग फुटबॉल में जीत के बाद बार्सिलोना के फरमिन लोपेज अपने स्वर्ण पदक दिखाते हुए।

फूड इंडस्ट्री में दें अपने भविष्य को उड़ान

कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें न सिर्फ तरह-तरह के पकवान खाना अच्छा लगता है, बल्कि वे अच्छे स्वाद को भी भली-भांति पहचान लेते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्हें विशिष्ट प्रकार के व्यंजनों से विशिष्ट लगाव है तो आप अपने इसी लगाव को अपना भविष्य बना सकते हैं। फूड इंडस्ट्री में विकल्पों की भरमार है। लीक से हटकर यह कॅरियर बेहद दिलचस्प होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी है। आइए फूड इंडस्ट्री में मौजूद विकल्पों के बारे में जानें।

फूड क्रिटिक

मार्केट में कौन-से नए फूड प्रोडक्ट आए हैं, इससे लेकर किस रेस्तरां में कौन-से स्वादिष्ट व्यंजन मिलते हैं, इसकी पूरी जानकारी अपनी राइटिंग स्किल के जरिए लोगों तक पहुंचाना फूड क्रिटिक का महत्वपूर्ण काम होता है। फूड क्रिटिक खाने के टेस्ट के साथ ही रेस्तरां की सर्विस के बारे में भी पूरी जानकारी देते हैं। फूड क्रिटिक बनने के लिए विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती लेकिन बैचलर डिग्री होनी जरूरी है। बशर्ते आपमें खाने का स्वाद पहचानने, उसे बनाने का तरीका जानने और लिखने की कला होनी चाहिए।

न्यूट्रीशनिस्ट

यदि आप फूड के बारे में वैज्ञानिक तौर पर काफी कुछ जानते हैं तो आप न्यूट्रीशनिस्ट बन सकते हैं। आपको यदि ज्यादा से ज्यादा फूड के बारें में जानकारी हैं कि कौन सा फूड कैसा असर करता है। मोटे होने के लिए क्या खाएं और पतले होने के लिए क्या खाएं। डायबीटिज में क्या खाना फायदेमंद है, हार्ट अटैक से बचने के लिए किन चीजों का सेवन करें या किन चीजों का ना करें, इस तरह की जानकारियां यदि आपकों अच्छी लगती हैं और आपकी इनमें गहरी रूचि है तो आप एक न्यूट्रीशनिस्ट के रूप में अपने कॅरियर को संवार सकतें है

फूड स्टाइलिस्ट

जितना खाने मे टेस्ट का होना जरूरी है, उतना ही खाने का बेहतर और क्रिएटिव दिखना भी जरूरी है। खाने को परोस कर देने का तरीका भी खाने को बेहतर बनाता है। अगर आप में यह स्किल है कि आप किसी भी तरीके के खाने को अच्छी तरह से सजाकर लोगों को उसकी ओर आकर्षित कर सकतें है तो आप फूड स्टाइलिस्ट बन सकतें है। इसकी भी काफी डिमांड है क्योंकि आजकल फाइव स्टार होटल और रेस्तरां में इनकी खासी कमी है। फूड स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना काफी जरूरी है।

कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट

सिर्फ फैशन की दुनिया में ही नहीं, बल्कि फूड इंडस्ट्री में भी ट्रेंड बदलते रहते हैं। कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट समय-समय पर फूड को लेकर ग्राहकों की बदलती पसंद या नापसंद की जानकारी अपने क्लाइंट तक पहुंचाते हैं। किस रेस्तरां में कौन-कौन से आइटम परोसे जा रहे हैं। किस रेस्तरां की किस खास चीज को लोग ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ये सारी जानकारियां जुटाने का काम कलिनरी ट्रेंडोलॉजिस्ट का ही है। वे फूड इंडस्ट्री में होने वाले बदलावों को जानने के लिए फूड ब्लॉगर्स पर भी अपनी नजर बनाए रखते हैं।

प्रमुख कोर्स

- केटरिंग टेक्नोलॉजी और कलिनरी ऑर्ट्स में बैचलर डिग्री
- फूड प्रोडक्शन में क्राफ्ट सर्टिफिकेट कोर्स
- फूड और बेवरेज सर्विस में डिप्लोमा
- बेकरी और कनफेक्शनरी में डिप्लोमा
- किचन मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- गेस्ट सर्विस मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- हाउसकीपिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में एडवांस डिप्लोमा
- कलिनरी आर्ट्स में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- हॉस्पिटैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में एमएससी
- डाइअटेटिक्स और फूड सर्विस मैनेजमेंट में एमएससी

फूड फोटोग्राफर

जिन लोगो को खाना काफी पसंद है और वे कुछ क्रिएटिव करना चाहतें हैं तो वे इन चीजों के साथ फूड फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। फूड फोटोग्राफी वर्तमान में एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन बनकर सामने आया है, जिसकी ओर युवा काफी आकर्षित भी हैं। बतौर फूड फोटोग्राफर आप किसी भी रेस्तरां या मैगजीन के लिए काम कर सकते हैं।

रेस्तरां प्रचारक

किसी रेस्तरां या होटल को फूड ब्लॉगर, मीडिया हाउसेस, मैगजीन या टीवी शो प्रोड्यूसर के माध्यम से आम लोगों के बीच लोकप्रिय बनाने की जिम्मेदारी रेस्तरां प्रचारक की होती है। इनका अहम मकसद ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी रेस्तरां की तरफ आकर्षित करना है।

स्कूल साइकोलॉजी की दुनिया में तराशें रोजगार

आजकल कुछ स्कूलों में मनोवैज्ञानिक या परामर्शदाता की नियमित व्यवस्था की जाती है। यह व्यवस्था विद्यार्थियों और अध्यापकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। मनोविज्ञान अपनी पूर्णता में एक ऐसा क्षेत्र है, जहां करियर से जुड़े अनेक विकल्प हैं। स्कूल साइकोलॉजी इसकी महत्वपूर्ण शाखाओं में एक है। स्कूलों में बढ़ते अपराधों को देखते हुए अब स्कूल साइकोलॉजिस्ट की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कूल साइकोलॉजिस्ट किसी भी स्कूल की टीम के मुख्य सदस्य होते हैं, जो शैक्षिक मनोविज्ञान, बाल मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान और सामुदायिक मनोविज्ञान के सिद्धांतो का पालन कर छात्रों में सीखने की क्षमता और अध्यापकों में सिखाने की क्षमता का विकास करते हैं। स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के भावनात्मक, व्यवहारिक, और शैक्षिक जरूरतों का अध्ययन कर उनकी समस्याओं का हल करने का हरसंभव प्रयास करते हैं। अगर आपकी रुचि बच्चों के मनोभाव को जानने और उनके डिप्रेशन को दूर करने की दिशा में है तो आप स्कूल साइकोलॉजिस्ट का कॅरियर चुन सकते हैं। आजकल बच्चे सबसे ज्यादा डिप्रेशन का शिकार होते हैं। यही वजह है कि इस क्षेत्र में कॅरियर की भरपूर संभावनाएं पैदा हो रही हैं। ऐसे में आप साइकोलॉजिकल काउंसलिंग करके बच्चों के भविष्य को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्कूल साइकोलॉजिस्ट के कार्य

- स्कूल मनोवैज्ञानिक बच्चों के विकास की विशेषताओं को समझने में शिक्षक की सहायता करता है।
- प्रत्येक छात्र विकास की कुछ निश्चित अवस्थाओं से गुजरता है जैसे शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रौढ़ावस्था। विकास की दृष्टि से इन अवस्थाओं की विशिष्ट विशेषताएं होती हैं। यदि शिक्षक इन विभिन्न अवस्थाओं की विशेषताओं से परिचित होता है तो वह अपने छात्रों को भली प्रकार समझ सकता है और छात्रों को उसी प्रकार निर्देशन देकर उनको लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकता है। इस बारे में पूर्ण जानकारी भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट ही टीचर को देता है।
- बच्चों के नेचर को जानने की कोशिश करता है।
- शिक्षा की प्रकृति एवं उद्देश्यों को समझने में सहायता प्रदान करता है।
- बच्चों की वृद्धि और विकास के बारे में शिक्षकों को ज्ञान देता है।

- बच्चों के अच्छे समायोजन में मदद करता है और कुसमायोजन से बचाता है।
- स्कूल मनोवैज्ञानिक कुछ खास बच्चों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी शिक्षक को देता है, जिससे शिक्षक उन बच्चों को अपनी क्लास में पहचान सकें और उनकी आवश्यकतानुसार मदद कर सकें। उनके लिए विशेष कक्षाओं का आयोजन कर सकें और फिर उन्हें परामर्श दे सकें।
- मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चों के लक्षणों को पहचानना और ऐसा प्रयास करना कि उनकी इस स्वस्थता को बनाए रखा जा सके, यह कार्य भी स्कूल साइकोलॉजिस्ट का ही होता है।

शैक्षणिक योग्यता

आप किसी भी विषय में इंटरमीडिएट पास करने के बाद साइकोलॉजी विषय में ग्रेजुएशन कर सकते हैं। आम तौर पर इसमें बैचलर ऑफ आर्ट्स यानी बीए की डिग्री दी जाती है लेकिन अगर आपने साइंस से इंटर पास किया है तो साइकोलॉजी में बीएससी ऑनर्स भी कर सकते हैं। फिर पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद पीएचडी या एमफिल किया जा सकता है।

कहां काम करते हैं स्कूल साइकोलॉजिस्ट

- पब्लिक और प्राइवेट स्कूल
- यूनिवर्सिटीज
- स्कूल आधारित स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य केंद्र
- कम्यूनिटी आधारित डे ट्रीटमेंट या आवासीय क्लीनिक और अस्पताल
- बाल न्याय केंद्र
- प्राइवेट प्रैक्टिस

पर्सनल स्किल

- बेहतर कम्युनिकेशन स्किल
- धैर्य और सहजता
- सभी उम्र के लोगों के साथ काम करने की कला
- आत्मविश्वास
- क्लाइंट को संतुष्ट करने की योग्यता
- लोगों की मदद करने का पैशन
- काम के प्रति लगाव
- संवेदनशीलता
- सहानुभूति की भावना

कहां से करें पढ़ाई

- लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमन
- जीसस एंड मैरी कॉलेज
- प्रेसिडेंसी कॉलेज, चेन्नई
- क्रिस्ट यूनिवर्सिटी, क्रिस्ट कॉलेज
- सोफिया कॉलेज फॉर विमन
- कमला नेहरु कॉलेज फॉर विमन
- मिठिबाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- गार्गी कॉलेज
- जय हिंद कॉलेज
- जामिया मिलिया इस्लामिया
- ज्योति निवास कॉलेज
- विल्सन कॉलेज, मुंबई
- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर
- यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ
- आशुतोष कॉलेज
- नेयानल डिग्री कॉलेज, जया नगर
- भीम राव अम्बेडकर कॉलेज

प्रेजेंटेशन स्किल्स से मिलेगी कामयाबी

प्रेजेंटेशन में सामने वाले को बोर नहीं, बल्कि इंप्रेस करें। तब आपको कामयाबी मिलेगी। सबसे असरदार कंटेंट भी बिल्कुल बेअसर हो जाता है, जब प्रेजेंटर का स्टाइल उसके अनुरूप न हो। कई लोग प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस हो जाते हैं, जिसका असर उनके बोलने और बॉडी लैंग्वेज पर पड़ता है। यही कुछ रुकावटें हैं, जिन पर काबू पाना जरूरी होता है। आत्मविश्वास बढ़ने के साथ-साथ यह कमियां दूर हो जाती हैं और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए अभ्यास, लचीलापन और अपने कंटेंट की गहरी जानकारी बेहद जरूरी होती है।

कटेंट पर ध्यान दें

आपके पास पहले से रोचक, संपूर्ण और सबका ध्यान खींचने वाला कंटेंट होना चाहिए। साथ ही उस मैटेरियल को सबके सामने रखने का आत्मविश्वास भी जरूरी है। अपने माहौल की समझ के साथ-साथ आपको यह ध्यान रखना भी आवश्यक होता है कि आपके संदेश का असर अधिकाधिक लोगों तक पहुंचे। वहीं अपने कंटेंट को तैयार करना इस पर भी निर्भर करता है कि आप किस किस्म की प्रेजेंटेशन देने जा रहे हैं। फिर भी जरूरी है कि आप मुख्य बिंदुओं की पहचान कर लें। यह जरूरी नहीं होता कि प्रत्येक डिटेल श्रोताओं के सामने रखी जाए।

स्टाइल पर ध्यान दें

प्रेजेंटर का स्टाइल ही एक अच्छे प्रेजेंटेशन के लिए जरूरी होता है। इसलिए अपनी स्टाइल और बात करने के तरीके पर खास ध्यान दें।

पूरी जानकारी दें

बेहतर प्रेजेंटेशन दर्शकों को विषय के बारे में अतिरिक्त जानकारी देती है, इसलिए जरूरी है कि विषय की आउटलाइन से शुरुआत की जाए। श्रोताओं को बताएं कि आप क्या विषय उठाना चाहते हैं, ताकि उनकी अपेक्षाएं शुरू में ही स्पष्ट हो जाएं। इससे विषय के प्रति कौतुहल भी बना रहता है।

उदाहरण से बनेगी बात

एक अन्य तथ्य यह है कि प्रेजेंटेशन की शुरुआत और अंत जोरदार तरीके से हो। यदि शुरुआत में आप श्रोताओं का ध्यान नहीं खींच पाते है तो यह आपके पक्ष में नहीं जाता। साथ ही बीच-बीच में रोचक उदाहरण देना भी जरूरी होते हैं।

सुनने वाले के बारे में जानें

आपको सुनने वालों के बारे में सबसे पहले पता लगाना चाहिए कि वे कौन हैं? इसके बाद यह जानना जरूरी होता है कि प्रेजेंटेशन से वे क्या चाहते हैं? उनके लिए क्या सूचना नई होगी और क्या पुरानी? क्या उनकी कुछ विशेष जरूरतें हैं, जिनका आपको ध्यान रखना चाहिए? इसके लिए जरूरी है कि अपनी प्रेजन्टेशन की आउटलाइन आपको स्पष्ट हो। दरअसल, आपको सुनने वाले यदि संतुष्ट होते हैं तो समझिए कि आपकी प्रेजेंटेशन सफल रही।

शाहरुख को सबसे बड़ा आउटसाइडर मानते हैं अभिषेक बनर्जी

अभिनेता अभिषेक बनर्जी एक आउटसाइडर हैं, उनका कोई बॉलीवुड कनेक्शन नहीं रहा। इसके बावजूद वह अपने लिए अलग पहचान बनाने में कामयाब रहे। उनका मानना है कि ऐसा हर कोई कर सकता है। इसमें किसी तरह का नेपोटिज्म आड़े नहीं आता है। उन्होंने शाहरुख का उदाहरण दिया और बताया कि किंग खान एक आउटसाइडर थे, इसके बावजूद उन्होंने इतना बड़ा मुकाम बॉलीवुड में बनाया।

शाहरुख से सीखना चाहिए

अभिषेक बनर्जी एक इंटरव्यू में कहते हैं कि सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हर क्षेत्र में भाई-भतीजावाद यानी नेपोटिज्म मौजूद है। उन्होंने उदाहरण के तौर पर शाहरुख खान का हवाला दिया। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि शाहरुख ने इतनी बड़ी सफलता हासिल की है। वह कहते हैं कि आखिरकार बॉलीवुड भी एक बिजनेस है।

इन दिनों जहां भी अभिषेक बनर्जी जाते हैं, सब उनको स्त्री 2 के किरदार जना से पहचानते हैं। वह दर्शकों के बीच एक अलग पहचान बनाने में कामयाब रहे हैं। इस सफलता से वह काफी खुश हैं। अभिषेक बनर्जी आगे भी अलग और खास तरह के किरदार करना चाहते हैं।

स्त्री 3 का भी हो सकते हैं हिस्सा

जिस तरह से अभिषेक बनर्जी फिल्म स्त्री 2 के कारण खूब पॉपुलर हुए। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह अगली स्त्री सीरीज की फिल्म का हिस्सा भी हो सकते हैं, क्योंकि उनके किरदार के बिना यह फिल्म पूरी नहीं होती है।

दोस्त के किरदार में ज्यादा दिखे

पिछले कुछ समय से अभिषेक बनर्जी जो किरदार कर रहे हैं, उसमें हीरो के दोस्त के रोल ज्यादा रहे। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि उन्होंने मुख्य भूमिका नहीं की। कुछ साल पहले आई एक वेब सीरीज पाताल लोक में उन्होंने हथौड़ा त्यागी का किरदार निभाया था। इस किरदार में उन्हें काफी पसंद किया गया।

रिद्धि डोगरा ने बताया ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं

छोटे पर्दे से अपने करियर का सफर शुरू करने वाली रिद्धि डोगरा को जब ओटीटी पर मौका मिला, तो उन्होंने इस माध्यम में भी अपना दम दिखाया। जवान में शाहरुख खान की मां की भूमिका से चर्चा में आई रिद्धि डोगरा इन दिनों द साबरमती रिपोर्ट की जर्नलिस्ट की भूमिका में दिख रही हैं। यहां वे हमसे कई मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखती हैं।

मैं ज्यादा पॉलिटिकल बातों से बचती हूं

वो आगे कहती हैं, वैसे भी मैं ज्यादा पॉलिटिकल बातों से बचती हूं। मगर फिर मेकर्स ने मुझसे कहा कि मैं टीम से आकर मिलूं और वे फिल्म पर अपनी रिसर्च को लेकर काफी गंभीर थे। उनके पास विषय को लेकर इतनी सामग्री थी कि मुझे अपने सभी सवालों के जवाब मिल गए और मेरी सारी आशंकाएं निर्मूल साबित हुई। हमारे प्रोफेशन में कन्विक्शन और इंटेंशन बहुत मायने रखता है और मेरी समझ में आया कि इनकी नियत सच को सामने लाने की है। इस कहानी को वे जर्नलिस्टिक पॉइंट ऑफ व्यू से दिखाना चाहते थे, जो मुझे बहुत रोचक लगा। एक तरह से मेरी भूमिका कैटालिस्ट की है, जो कहीं न कहीं सिस्टम को रिप्रेजेंट करती है।

जो जलील बातें करता है, उसे ब्लॉक कर देती हूं

अपने बेबाक और बिंदास रवैये के कारण रिद्धि को अक्सर ट्रोल्स का शिकार होना पड़ता है। वे ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं, इस पर वे दो टूक कहती हैं, ट्रोल्स को इतनी तवज्जो नहीं दे सकते। अगर हम ऑनलाइन ट्रोलिंग को इतनी अहमियत देने लगे, तो हम काम नहीं कर पाएंगे। आज तो ऐसा हो गया है कि सबके हाथ में एक फोन आ गया है और वे उस फोन पर कुछ भी लिख सकते हैं।

हर किसी को अटेंशन चाहिए

वो बताती हैं, कितनी बार ऐसा होता भी है कि कोई कमेंट करता है और मैं जब उसे आड़े हाथ लेने की कोशिश करती हूं, तो वो झट से पलट जाता है और कहने लगता है, अरे हम तो आपके बहुत बड़े फैन हैं। सॉरी मैंने ऐसा कहा, तो आज हर किसी को वो दो मिनट की अटेंशन चाहिए होती है। कभी-कभी जो लोग बहुत ही जलील बातें करते हैं, मैं उन्हें ब्लॉक कर देती हूं। जब लोग औरत होने के नाते मुझे नीचे दिखाने की कोशिश करती हूं, तब मुझसे बर्दाश्त नहीं होता। मैं हजारों को ब्लॉक कर चुकी हूं। हालांकि हमारी निजी जिंदगी पर इनका असर नहीं पड़ना चाहिए, मगर मुझे लगता है, हमें इन्हें एंटरटेन भी नहीं करना चाहिए।

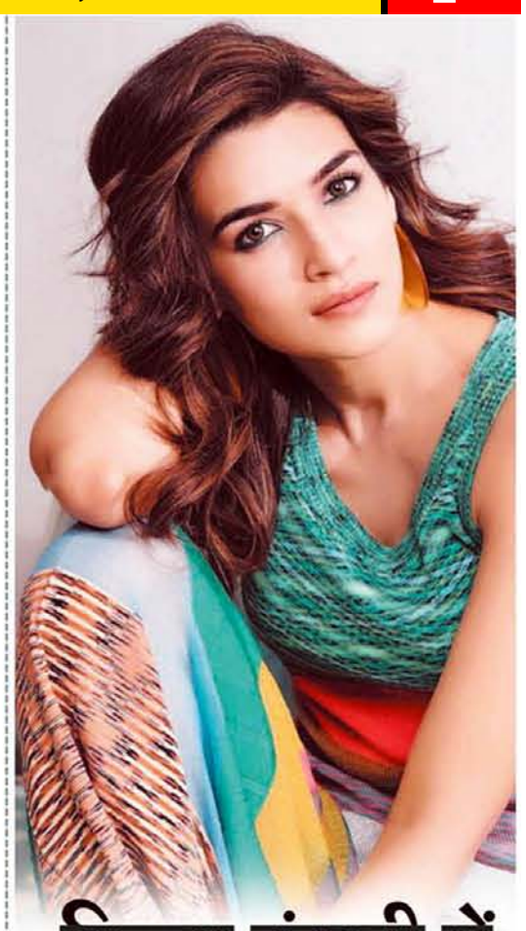

फिल्म इंडस्ट्री में आउटसाइडर को काम मिलना मुश्किल है

कृति सेनन ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा- आउटसाइडर को इंडस्ट्री में मौके मिलना काफी मुश्किल होता है। इस दौरान एक्ट्रेस ने नेपोटिज्म के लिए फिल्म इंडस्ट्री को नहीं, बल्कि बाहरी लोगों को जिम्मेदार बताया। कृति सेनन गोवा में 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में एक मास्टरक्लास में शामिल हुई थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि नेपोटिज्म के लिए फिल्म इंडस्ट्री उतनी जिम्मेदार नहीं है, जितने जिम्मेदार मीडिया और ऑडियंस हैं। मीडिया स्टार किड्स के बारे में जो भी दिखाती है उसे ऑडियंस बड़ी दिलचस्पी से देखते है, जिससे फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को लगने लगता है कि ऑडियंस की दिलचस्पी स्टार किड्स में ज्यादा है तो उनके साथ फिल्म करना ज्यादा सही रहेगा। मुझे लगता है कि ये एक सर्कल है। कृति सेनन ने कहा कि अगर आपके अंदर टैलेंट है तो आप कुछ भी कर सकते हो। अगर आप टैलेंटेड नहीं हैं और ऑडियंस से कनेक्ट नहीं कर पा रहे है तो आप कुछ नहीं कर सकते।

फिल्मी बैकग्राउंड नहीं होने से होती हैं मुश्किल

कृति सेनन ने आगे कहा- जब आप फिल्म इंडस्ट्री के बैकग्राउंड से नहीं होते तो काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हर चीज में थोड़ा स्ट्रगल है। हालांकि, अगर अच्छे से मेहनत करते हैं तो सक्सेस मिल जाती है।

2014 में किया बॉलीवुड में डेब्यू

कृति सेनन हाल ही में दो पत्ती में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ शहीर शेख और काजोल भी अहम भूमका में थे। बता दें, कृति सेनन ने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

वेब सीरीज चिट्टा चिट्टा वे से दो साल बाद वापसी कर रही हैं दलजीत कौर

एक्ट्रेस दलजीत कौर दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। आखिरी बार वह टीवी शो ससुराल गेंदा फूल 2 में नजर आई थीं। अब वह जल्द ही वेब सीरीज चिट्टा वे में दिखाई देंगी, जिसमें वह एक ड्रग एडिक्ट का किरदार निभा रही हैं। बातचीत में दलजीत ने अपनी वापसी, नई वेब सीरीज और आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में खुलकर बात की।

इस रोल के लिए शुरू में थोड़ी हिचकिचाई

मुझे यह रोल तब मिला, जब मेकर्स को एक सिंपल और रियल दिखने वाले चेहरे की जरूरत थी। कहानी पंजाब के छोटे से गांव की है। उन्हें ऐसा चेहरा चाहिए था जो वहां के माहौल में फिट हो सके। भले ही मैं पंजाबी में बहुत फ्लूएंट नहीं हूं, लेकिन मेरी मम्मा पंजाबी बोलती हैं, जिससे मुझे भाषा को समझने और किरदार को अपनाने में थोड़ी मदद मिली। जब मुझे इस रोल के लिए अप्रोच किया गया, तो शुरुआत में मुझे थोड़ी हिचकिचाहट हुई। कहानी ड्रग्स पर आधारित है और बहुत डार्क और इमोशनल है। मैंने सोचा कि क्या मैं इतनी स्ट्रॉन्ग और इमोशनल कहानी निभा पाऊंगी। लेकिन मेकर्स ने मुझ पर भरोसा जताया और कहा कि उन्हें एक ऐसा एक्टर चाहिए जो न सिर्फ इमोशन्स दिखा सके बल्कि किरदार की मजबूती को भी पर्दे पर उतार सके। इस किरदार में बहुत गहराई है और कहानी सिर्फ उस लड़की के स्ट्रगल की नहीं है, बल्कि उसके साहस और बदलाव की भी है। मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझे इस किरदार के लिए चुना।

बॉलीवुड में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से खुश हैं माधुरी

माधुरी दीक्षित ने अपनी अदाकारी से बॉलीवुड में एक अतुलनीय योगदान दिया है। दिग्गज अभिनेत्री का मानना है कि 80 और 90 के दशक के बाद से बॉलीवुड में बहुत कुछ बेहतर हुआ है। माधुरी ने याद किया कि पहले फिल्म सेट पर केवल महिला कलाकार और उनके हेयरड्रेसर ही हुआ करते थे, लेकिन अब हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

महिलाओं की बढ़ी भागीदारी

अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में बताया, महिलाओं ने एक लंबा सफर तय किया है, यह छोटे-छोटे कदम हैं। जब मैं 80 और 90 के दशक में काम करती थी, तो सेट पर केवल मैं, मेरी सह-कलाकार जो महिलाएं होती थीं या हेयरड्रेसर होती थीं। आज, जब मैं किसी सेट पर जाती हूं तो डीओपी से लेकर एडी, लेखक और एक्शन मास्टर तक हर जगह महिलाएं हैं। मैं सोच भी नहीं सकती थी कि वह इस क्षेत्र में होंगी, जो आश्चर्यजनक है।

महिलाएं बन रहीं निर्माता

अभिनेत्री ने धीरे-धीरे हुए इस बदलाव की सराहना की और कहा कि महिलाएं अब अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाने लगी हैं और अब वह फिल्मों का निर्माण भी कर रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, हम महिलाओं को एक्शन भूमिकाओं में भी देख रहे हैं, जो आश्चर्यजनक है। जैसे गुलाब गैंग में मैंने एक्शन भूमिका निभाई थी और वह फिल्म महिला-केंद्रित थी, लेकिन हमें ज्यादा व्यावसायिक फिल्में बनाने की जरूरत है, जो महिला-केंद्रित हों, यह धीरे-धीरे होगा। बहुत सी महिला अभिनेता निर्माता बन रही हैं, अगर वह अपनी तरह की फिल्में बनाना चाहती हैं, जो आश्चर्यजनक है और उन्हें और पॉवर मिलनी चाहिए।

अलग भूमिकाओं की तलाश में माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित को हाल ही में भूल भुलैया 3 में देखा गया, जिसमें कार्तिक आर्यन, तृप्ती डिमरी और विद्या बालन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित यह फिल्म भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है और 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि वह अलग-अलग तरह की रोमांचक भूमिकाओं की तलाश में हैं।

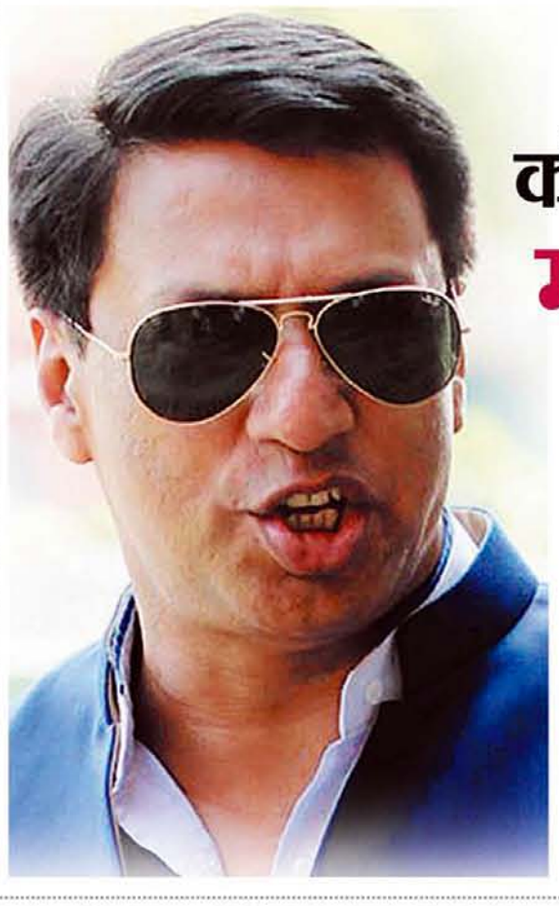

बॉलीवुड वाइव्स की जिंदगी दिखाएंगे मधुर भंडारकर

मशहूर बॉलीवुड निर्देशक मधुर भंडारकर अपनी खास तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वह अक्सर वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित हो कर फिल्मे बनाते हैं, जो लोगों को काफी कठोर महसूस होती हैं। फैशन, हीरोइन और पेज 3 जैसी कई अन्य फिल्मों के लिए लोकप्रिय मधुर ने हाल में ही आगामी फिल्म को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनकी अगली फिल्म वाइव्स ऑफ बॉलीवुड है, जो बॉलीवुड की पत्नियों की असल जिंदगी के बारे में है।

इस बातचीत के दौरान निर्देशक ने कहा कि ये फिल्म मनोरंजन जगत के लोगों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। इस दौरान अपनी फिल्मों से जुड़ी दर्शकों की उम्मीदों को लेकर कहा, मेरे दर्शकों को मुझसे विशेष उम्मीदें हैं। वे अच्छी तरह से जानते हैं कि अगर मैं किसी फिल्म पर काम कर रहा हूं, तो मैं अपनी फिल्म के जरिए किसी खास विषय पर खुलासा करूंगा। इसके अलावा जब भी मैं लोगों से बात करते हुए देखा जाता हूं, तो वे मान लेते हैं कि मैं अपनी रिसर्च कर रहा हूं,क्योंकि मैं शायद उस विषय पर फिल्म बना रहा हूं।

बॉलीवुड की पत्नियों की जिंदगी दिखाएगी फिल्म

निर्देशक ने आगे कहा कि जब भी वो किसी विषय पर फिल्म बनाने का फैसला करते हैं, तो उससे संबंधित हर छोटे-बड़े विवरणों में जाते हैं। उन्होंने कहा, इस बार, मेरी अगली फिल्म बॉलीवुड की पत्नियों की असल जिंदगी के बारे में है। मैंने अपनी अगली फिल्म का नाम वाइव्स ऑफ बॉलीवुड रखने का फैसला किया है। यह नाम मेरे पास काफी समय से है। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से इस विषय से लगाव रहा है और उन्हें लगता है कि यह उनके दर्शकों के लिए भी दिलचस्प होगा। एक मेगा-सुपरस्टार की पत्नी होना इतना आसान नहीं है, इसमें कई सारे परते होती हैं। दर्शकों को इससे उनके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलेगा।

फिल्म इंडस्ट्री से समर्थन की उम्मीद

मधुर भंडारकर ने आगे बताया कि उनके पास इसकी एक मैराथन स्क्रिप्ट है। वह इसमें कई बार बदलाव कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये फिल्म निश्चित रूप से दर्शकों के लिए आंखे खोलने वाली होगी। हालांकि, वह इसे लेकर संदेह में हैं कि फिल्म इंडस्ट्री इस विषय पर कैसी प्रतिक्रिया देगी, क्योंकि यह बहुत गंभीर और कठोर फिल्म होगी। निर्देशक ने कहा,मैंने बहुत सारी वास्तविक बॉलीवुड पत्नियों से प्रेरणा ली है और उसमें कल्पना को जोड़ा है। यह सुनिश्चित भी किया है कि यह वास्तविकता के करीब रहे। निर्देशक ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जिस तरह से उनकी फैशन, पेज 3 और कॉर्पोरेट जैसी अन्य फिल्मों को इंडस्ट्री के लोगों ने सराहा था, उसी तरह वे वाइव्स ऑफ बॉलीवुड की भी सराहना करेंगे।

एलिस कौशिक ने अपने रिश्ते पर की खुलकर बात

टीवी शो बिग बॉस 18 से एलिस कौशिक के एलिमिनेशन के बाद उन्होंने खुलकर अपने अनुभव साझा किए और बताया कि उन्हें पहले से ही यह एहसास था कि वह घर से बाहर होने वाली हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए एलिस ने कहा, मुझे जब भी ऐसी कोई फीलिंग आती है तो वह सही होती है। इस बार भी मैंने खुद के साथ ऐसा महसूस किया था, इसलिए मैंने अपना नाम लिया था। बिग बॉस 18 में एलिस की लव लाइफ भी काफी सुर्खियों में रही थी। बातचीत में अपनी लव लाइफ पर पूछे गए सवाल के जवाब में एलिस ने कहा, मुझे अपने रिश्ते पर पूरा विश्वास है, इसलिए मुझे बाहर आने के बाद इस पर किसी प्रकार की स्पष्टता की आवश्यकता नहीं थी। उस समय जो छोटी सी बात इंटरव्यू में निकाली गई थी, वह मुझे भावुक कर गई थी, लेकिन अगले दिन से मैंने इसका जिक्र तक नहीं किया, क्योंकि मुझे अपने रिश्ते पर पूरा यकीन है। एलिस ने पैनिक अटैक पर भी अपनी बात रखी। अविनाश के एलिमिनेशन के बाद आए पैनिक अटैक पर एलिस ने कहा, यह बहुत दुख की बात है कि इसका मजाक उड़ाया गया। मैं दुनिया में अकेली नहीं हूं जिसके साथ ऐसा होता है। मुझे जब पैनिक अटैक आता है तो मैं कांपने लगती हूं।

गौतमबुद्धनगर में बिना लाइसेंस के न चले बार : डीएम

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में नशे के अवैध कारोबार पर पूर्णतः अंकुश लगाने एवं युवा पीढ़ी को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के उद्देश्य से डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नार्को कोर्डिनेशन मैनेजमेंट के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन सामान्य एवं छात्रों को नशे के विरुद्ध जागरूक करते हुए नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराए जाने के लिए समस्त विभागों द्वारा व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए

जिलाधिकारी ने जिला आबकारी अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के सभी कॉलेजों, सार्वजनिक स्थान एवं सिनेमा हॉल में स्लाइड व बैनर के माध्यम से में टोल फ्री मोबाइल नंबर डिस्प्ले कराया जाए, ताकि आम नागरिक एवं कॉलेज के छात्र छात्राओं के द्वारा टोल फ्री नंबर पर सूचना दी जा सके। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाए।

जिलाधिकारी ने बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि जनपद के सभी स्कूल/कॉलेजों में ड्रग्स की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कमेटी का गठन कराया जाए और प्रत्येक स्कूल से कमेटी की मासिक रिपोर्ट प्राप्त कर नार्को कोऑर्डिनेशन मैनेजमेंट समिति की बैठक के सम्मुख प्रस्तुत करें। साथ ही पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ टीम का गठन करते हुए जनपद में संचालित पी0जी0 जिनमें कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र निवास करते हैं, उनका औचक निरीक्षण करते हुए यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पीजी में रहने वाले छात्र किसी भी तरह के नशे का सेवन तो नहीं कर रहे और साथ ही पीजी के संचालक को भी सचेत करें। जिलाधिकारी द्वारा जिला बार समिति की बैठक की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने आबकारी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बार लाइसेंस के लिए जो भी आवेदन लंबित चल रहे हैं, उनका तत्काल निस्तारण कराया जाए। साथ ही निर्देश दिए कि जनपद में व्यापक अभियान चलाकर यह सुनिश्चित करें कोई भी बार बिना लाइसेंस के संचालित न हो।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जॉइंट एक्साइज कमिश्नर मेरठ मंडल मेरठ सुनील कुमार मिश्रा, पुलिस, आईबी,स्वास्थ्य, समाज कल्याण, औषधि, मनोरंजन, तंबाकू नियंत्रण बोर्ड से वरिष्ठ अधिकारी एवं आबकारी विभाग से निरीक्षक गण उपस्थित रहे।

लापरवाह अफसरों पर चला सीईओ का चाबुक

✦ डीजीएम को नोटिस, वरिष्ठ प्रबंधक को प्रतिकूल प्रविष्टि

✦ प्रबंधक व अवर अभियंता का वेतन रोकने के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने गुरूवार को वर्क सर्किल-10 क्षेत्र के सेक्टर-146 व 147 के मध्य एक्सप्रेस-वे के समानान्तर निर्मित 45 मीटर चौड़ी सड़क से हिण्डन नदी पर निर्मित सेतु के पहुंच मार्ग के निर्माण परियोजना का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सीईओ को कई जगहों पर कार्यों में अनियमितताएं मिली। इस पर उन्होंने परियोजना से संबंधित उप महाप्रबन्धक को नोटिस एवं वरिष्ठ प्रबन्धक को प्रतिकूल प्रविष्टी दिये जाने के साथ ही परियोजना पर तैनात प्रबन्धक तथा अवर अभियन्ता का वेतन रोकने निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्राधिकरण के उप महाप्रबन्धक (सिविल) ने सीईओ को जानकारी दी कि वर्तमान में ग्रैप स्टेज-4 के अनुपालन में कार्य बन्द है, किन्तु कार्यस्थल की स्थिति से प्रतीत हुआ कि यह कार्य अधिक समय से बन्द पड़ा है, क्योंकि कार्यस्थल पर न तो कोई विशेष मशीनरी उपलब्ध थी। वहीं कार्य स्थल पर निर्माण सामग्री की उपलब्धता भी कम थी। इसके अतिरिक्त निरीक्षण के दौरान कार्य के अन्तर्गत निर्मित की गई रिटेनिंग वॉल में हनिकॉम्बिंग मिली तथा उक्त रिटेनिंग वॉल एक सीध में भी निर्मित नहीं पायी गई। साथ ही उक्त वॉल की शटरिंग एवं टॉप सर्फेस भी एक लाईन में नहीं पायी गई। इस पर सीईओ ने कड़ी नाराजगी जताते हुए परियोजना से संबंधित उप महाप्रबन्धक को नोटिस एवं वरिष्ठ प्रबन्धक को प्रतिकूल प्रविष्टी दिये जाने के साथ ही परियोजना पर तैनात प्रबन्धक तथा अवर अभियन्ता का वेतन रोकने निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह 17 व 28 दिसंबर को

नोएडा (चेतना मंच)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत जनपद में सामूहिक विवाह के लिये तिथियां 17 दिसंबर एवं 28 दिसंबर निर्धारित की गयी हैं। जनपद के शहरी क्षेत्र के निवासी इस योजना से लाभान्वित होने के लिये नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद तथा ग्रामीण क्षेत्र के निवासी विकासखण्डों में सामूहिक विवाह के लिए अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराते हुये शासन की इस अति महत्वपूर्ण योजना का लाभ उठा सकते है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत कुल धनराशि 51,000/-रुपए प्रति जोड़े पर व्यय की जाती है, जिसमें से 35,000/-रूपये लड़की के बैंक बचत खाते में स्थानान्तरित की जाती है। विवाह सामाग्री में 10,000/-रूपये का सामान दिया जाता है तथा 6,000/-रूपये प्रति जोड़ा भोजन, बिजली-पानी, टेंट व्यवस्था पर व्यय किया जाता है।

उन्होंने पात्रता के संबंध में बताया कि मा0 मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में पंजीकरण कराने के लिए कन्या के अभिभावक उत्तर प्रदेश के मूल निवासी होने चाहिए। विवाह के लिए कन्या की आयु 18 वर्ष एवं वर (लड़के) की आयु 21 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। आवेदक की वार्षिक आय सीमा 2 लाख रूपये से कम होनी चाहिए। कन्या का स्वयं के नाम से बैंक खाता होना चाहिए। आवेदक, वर व कन्या का आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाण-पत्र (आयु प्रमाण किये जाने हेतु) होना चाहिए। अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग के आवेदकों के पास जाति प्रमाण-पत्र होना चाहिए। विवाह के लिए विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री, जो स्वयं दिव्यांग हो, को प्राथमिकता दी जायेगी।

किसानों का यमुना प्राधिकरण पर डेरा

2 दिसंबर को दिल्ली कूच की तैयारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर हुई ऐतिहासिक किसान महापंचायत के बाद किसानों ने महापड़ाव ने चौथे दिन यमुना विकास प्राधिकरण पर अपना रुख कर लिया है। हजारों किसान, ट्रैक्टर-ट्रालियों व कारों में महापड़ाव का सामान लादे और पैदल मार्च करते हुए, परी चौक से गुजरकर यमुना विकास प्राधिकरण पहुंचे। वहां विशाल किसान महापंचायत के बाद किसानों ने अगले चार दिनों के लिए वहीं डेरा डाल दिया है।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन में करीब 30,000 किसान और हजारों ट्रैक्टर-ट्रालियां शामिल हैं। ग्रेटर नोएडा के बाद किसानों ने यमुना प्राधिकरण पर अपना धरना शुरू कर दिया है। धरना दे रहे किसानों की मांग है कि पुराने कानून के तहत प्रभावित किसानों को 10 प्रतिशत प्लॉट और 64.7 प्रतिशत बढ़ा हुआ मुआवजा। 1 जनवरी 2014 के बाद अधिग्रहित जमीन के लिए बाजार दर का चार गुना मुआवजा और 20 प्रतिशत प्लॉट। भूमिहीन और भूमिधर किसानों के बच्चों को रोजगार और पुनर्वास के लाभ। हाईपावर कमेटी द्वारा पास किए गए किसानों के हित के प्रस्तावों का तत्काल कार्यान्वयन किया जाए।

संयुक्त किसान मोर्चा में भारतीय किसान यूनियन टिकैत, भाकियू महात्मा टिकैत, जय जवान जय किसान मोर्चा, किसान एकता संघ, और भाकियू चढ़ूनी जैसे दर्जनों संगठनों ने एकजुट होकर आंदोलन को मजबूती दी है। किसान नेताओं ने साफ किया कि उनकी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। 2 दिसंबर को दिल्ली कूच की योजना तैयार है, जिससे यह आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर और व्यापक हो सकता है।

गाजियाबाद के अधिवक्ता चार दिनों तक देंगे धरना

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद जिला जज को हटाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अधिवक्ताओं में दो फाड़ नजर आ रहा है। हड़ताल को लेकर बन रही टकराव की स्थिति के बीच अधिवक्ताओं का रुख फिर से बदला दिखाई दिया। गाजियाबाद जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा और सचिव अमित नेहरा धरने में अधिवक्ताओं के बीच पहुंचे। इस दौरान अधिवक्ताओं के दो पक्षों में तीखी नोकझोंक भी हुई लेकिन बाद में सुलह का रास्ता निकला और तय किया गया कि जब तक जिला जज को हटाया नहीं जाता तब तक धरना जारी रहेगा।

फिलहाल, चार दिन तक धरना चलने की सहमति बनी है। इसके बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। हड़ताल खत्म करने के मुद्दे को लेकर उपजे विवाद में अध्यक्ष और सचिव कुछ भी बोलने से बचते हैं। दीपक शर्मा ने बताया कि जल्द पूरी स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी। वह अधिवक्ताओं के हित में खड़े हैं।

बता दें कि पिछले दिनों गाजियाबाद जिला जज के कोर्ट रूम में विवाद के बाद पुलिस व वकीलों में संघर्ष हुआ था और कई वकील चोटिल हुए थे।

सौतेले पिता से अपमान का बदला लेने के लिए रची साजिश

बच्चे का अपहरण कर हत्या का प्रयास

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 पुलिस ने 5 वर्ष के बालक का अपहरण करके उसकी हत्या का प्रयास करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर लिया है। आरोपी बालक के सौतेले पिता द्वारा किये गए अपने अपमान का बदला लेने को यह साजिश रची थी।

डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने बताया कि थाना फेस 1 पुलिस ने अपहरण करके हत्या का प्रयास करने वाले धीरज पुत्र स्व0 राजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम सिकन्दरपुर थाना मेहंदिया जिला अरवल विहार उम्र लगभग 22 वर्ष को हरौला पार्क के पास से गिरफ्तार किया है। वहीं अपहृत बालक को सकुशल बरामद किया गया।

डीसीपी रामबदन सिंह ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ करने पर बताया कि करीब 2 महीने पहले शराब पीने के दौरान पैसों के लेन देन को लेकर विवाद होने तथा अंगद की पत्नी को गाली देने पर अंगद ने उसकी पिटाई करते हुए बेईज्जत कर अपने घर से भगा दिया था। तब से धीरज के मन में अंगद से बदला लेने का भाव था। इसी बीच अंगद अपने गांव से लौट कर वापस हरौला आया तो उसने आरोपी को बताया कि गांव में उसकी पत्नी के पूर्व पति प्रेम पुत्र जुगेश तांती जो अपहृत बालक का असली पिता है के परिजनों ने अपहृत बालक को अंगद से लेने की मांग रखी जिस पर अंगद ने मना किया तो अपहृत बालक के असली पिता व उसके परिजनों ने कहा कि अगर तुम हमें नहीं दोगे तो हम इसको कोर्ट से ले लेंगे।

अंगद ने यह बात आरोपी को बताते हुए कहा था कि मैं अपने बच्चे को वापस नहीं दूंगा तो इस बात से अंगद व अंगद की पत्नी दोनों परेशान थे तो धीरज ने सोचा कि यदि मैं अपहृत बालक को मार देता हूं तो अपहृत बालक के असली पिता प्रेम, अंगद व उसकी पत्नी पर मुकदमा होगा जिसमें अंगद जेल चला जाएगा और मेरा बदला पूरा हो जाएगा। अपनी सोच के मुताबिक 17 नवम्बर 2024 को मौका पाकर अंगद व उसकी पत्नी के काम पर चले जाने के बाद धीरज ने अपहृत बालक को अकेला पाकर उसे खाने के कुरकुरे दिलाकर घूमाने के बहाने बहला फुसला कर उसे हरौला से ले गया। वह बच्चे को हिंडन एयरफोर्स गाजियाबाद से आगे नागगेट के पास झाड़ियों में ले गया तथा बच्चे का गला दबाकर तथा एक हाथ से उसका मुंह दबाकर हत्या कर मरा समझने के बाद वहीं छोड़कर चला आया। अभियुक्त जब वापस आया तब तक अंगद अपने बच्चे अपहृत बालक के खोने की सूचना पुलिस को दे चुका था।

डीसीपी ने बताया कि सीसीटीवी की जांच में धीरज बच्चे को ले जाता हुआ दिखा जिसके बाद उससे पूछताछ की गई और मामले का खुलासा हुआ।